लखनऊ

शनिवार, 20 सितम्बर, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 71
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

ज़िंदगी में सिर्फ़ " शहद " ही ऐसा है जिसको हज़ार साल के बाद भी खाया जा सकता है, ओर "शहद "जैसी बोली से सालों साल तक लोगों के दिल में राज किया जा सकता है

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi | NIGHT 28° Low

चुनाव आयोग: मानदंडों के उल्लंघन पर 474 और दल सूची से हटाया, गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों पर गाज

नई दिल्ली, एजेंसी। मानदंडों और नियमों का उल्लंघन करने वाले 474 और दलों को सूची से हटा दिया गया है। गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों पर गाज गिरी है। चुनाव आयोग की तरफ से शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया, पिछले छह वर्षों में चुनाव नहीं लड़ने समेत अन्य नियमों का उल्लंघन करने के कारण 474 और पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है।

18 सितंबर को 474 दलों को हटाया गया

इस प्रक्रिया के पहले चरण में, चुनाव आयोग ने विगत 9 अगस्त को 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से हटा दिया था। आज दूसरे चरण में, निर्वाचन आयोग ने लगातार छह वर्षों तक किसी भी चुनाव में भाग न लेने के आधार पर, 18 सितंबर को 474 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को सूची से हटा दिया गया है। इस तरह पिछले दो महीनों में 808 आरयूपीपी को सूची से हटाए गए हैं।

छह राष्ट्रीय और 67 राज्य स्तरीय पार्टियां

निर्वाचन आयोग ने बताया कि हाल तक 2,520 आरयूपीपी थे। डी-लिस्टिंग प्रक्रिया के बाद, 2,046 आरयूपीपी बचे हैं। इनमें छह मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल और 67 राज्य स्तरीय दल हैं।

'भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा', बोले रक्षा मंत्री राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर लड़े गए युद्ध से तय नहीं होती, बल्कि यह पूरे देश के लोगों के संकल्प और एकजुटता से तय होती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध के दिग्गजों से बातचीत में यह बात कही। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के जांबाजों के साथ बातचीत में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा है... लेकिन हमने इसे नियति नहीं माना है। हमने अपनी नियति स्वयं तय की है... इसका एक उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर है।' अपने संबोधन के दौरान रक्षा मंत्री ने देश के विकास में जवानों और किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी बात की।

हमने आतंकियों को ऐसा सबक सिखाया जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी

राजनाथ सिंह ने कहा, 'हमारे प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने का संकल्प लिया जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। हमने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और अपने दुश्मनों को दिखाया कि हमारा प्रतिरोध कितना मजबूत और शक्तिशाली है। हमारी पूरी टीम की ओर से दिखाए गए समन्वय और करिश्मे ने साबित कर दिया कि जीत अब कोई अपवाद नहीं है। जीत एक आदत बन गई है और हमें इस आदत को हमेशा बनाए रखना चाहिए।

युद्ध में जीत सामुहिक संकल्प का परिणाम: राजनाथ सिंह

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कहते हैं, '... कोई भी युद्ध केवल युद्ध के मैदान में नहीं लड़ा जाता, बल्कि युद्ध में प्राप्त विजय पूरे राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का परिणाम होती है। 1965 के उस कठिन समय में, जब चारों ओर अनिश्चितता और चुनौतियाँ थीं, देश ने लाल बहादुर शास्त्री के दृढ़ नेतृत्व में उन चुनौतियों का सामना किया। शास्त्री जी ने उस दौर में न केवल निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि पूरे देश का मनोबल भी ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने एक नारा दिया जो आज भी हमारे दिलों में गूंजता है, 'जय जवान, जय किसान।'

पहलगाम को यादकर मन गुस्से से भर जाता है'

रक्षा मंत्री ने कहा कि हम पहलगाम की भयावह घटनाओं को नहीं भूले हैं और जब भी हम उन्हें याद करते हैं, हमारा दिल भारी हो जाता है और मन क्रोध से भर जाता है। वहां जो हुआ उसने हम सभी को झकझोर दिया। लेकिन वह घटना हमारे मनोबल को नहीं तोड़ पाई।

संक्षेप

म्बे हाईकोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया गया कैंपस; पुलिस ने चप्पा-चप्पा छाना

मुंबई ,19 सितंबर (आरएनएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट को आज यानी शुक्रवार सुबह एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर एक धमकी भरा ईमेल मिलने के तुरंत बाद, मुंबई पुलिस की टीम और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और पूरे परिसर की सघन तलाशी ली। हालांकि, घंटों की जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, जिसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली। मुंबई पुलिस ने एक बयान में जानकारी दी कि धमकी मिलने के बाद मानक प्रक्रिया के तहत उच्च न्यायालय परिसर की पूरी तरह से जांच की गई, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। गौरतलब है कि ठीक एक हफ्ते पहले भी ऐसी ही धमकी दी गई थी। बता दें कि बीते शुक्रवार, 12 सितंबर को भी हाईकोर्ट को इसी तरह का धमकी भरा ईमेल मिला था। उस समय मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट प्रशासन ने सभी जजों, वकीलों, कर्मचारियों और अन्य लोगों को तुरंत कोर्ट परिसर खाली करने का आदेश दिया था। उस दिन भी बम निरोधक दस्ते ने पूरे परिसर की जांच की थी, लेकिन वह धमकी भी झूठी साबित हुई थी। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, हाल के दिनों में देश के महत्वपूर्ण संस्थानों को इस तरह की फर्जी धमकियां देने का चलन बढ़ा है, जिसका मकसद केवल दहशत फैलाना होता है। पुलिस ईमेल भेजने वाले के आईपी एड्रेस का पता लगाकर आरोपी तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

भारत की कार्रवाई का सबसे बड़ा सबूत! पाकिस्तानी सेना के झूठ की आतंकी कमांडर ने ही खोली पोल, वीडियो में कबूली हार

नई दिल्ली। भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान में बैठे आतंकियों की कमर तोड़कर रख दी है, और अब इसके सबूत खुद आतंकी कमांडर ही देने लगे हैं। पाकिस्तानी सेना भले ही अपने नुकसान को छिपाने की कितनी भी कोशिश करे, लेकिन आतंकी संगठनों के कमांडर अब वीडियो जारी कर भारतीय हमले की गवाही दे रहे हैं और अपनी बर्बादी का रोना रो रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा है, जिसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का एक कमांडर यह स्वीकार कर रहा है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने 7 मई को हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उनके मुख्यालय को पूरी तरह नष्ट कर दिया था। यह वीडियो जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर द्वारा किए गए ऐसे ही एक कबूलनामे के कुछ दिनों बाद सामने आया है, जो पाकिस्तानी सेना के दावों की पोल खोलता है। वायरल वीडियो में खुद को लश्कर कमांडर कासिम बताने वाला एक शख्स कह रहा है, मैं मुरीदके में मरकज़ तैयबा के उन खंडहरों पर खड़ा हूं, जो (भारतीय) हमले में तबाह हो गया था। वीडियो में वह आगे ऐलान करता है कि इस आतंकी शिविर का पुनर्निर्माण किया जा रहा है और इस बार इसे पहले से भी बड़ा बनाया जाएगा। आपको बता दें कि मुरीदके पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखपुरा जिले में स्थित है और लश्कर का एक प्रमुख गढ़ माना जाता है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर पांच करोड़ की ड्रग्स बरामद, दो गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट पर पांच करोड़ रुपए का हाइड्रोपोनिक वीड (ड्रग्स) बरामद किया गया। यह आठ पैकेटों में था। यह बैंकॉक से पहुंचे दो यात्रियों के पास से बरामद हुआ। बैंकॉक से लखनऊ आ रही विमान संख्या एफडी 146 रात 10.30 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंड हुई। विमान से उतरने वाले यात्रियों की कस्टम और सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने जांच की। जांच के दौरान दो यात्रियों पर टीम को शक हुआ। सीसीएसआई विमानपत्तन के अपर आयुक्त मंयक शर्मा ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात सीमा शुल्क अधिकारियों ने दोनों तस्करों के व्यक्तिगत सामान और बैगेज को एक्सरे जांच के लिए ग्रीन चैनल पर भेजा, जहां उनके काले रंग के बैकपैक की जांच करने पर, 8 पॉलिथीन पैकेट बरामद किए गए, जिनमें हरे रंग का एनडीपीएस पदार्थ था। जांच में पता चला कि दोनों यात्रियों के बैग से आठ पैकेटों में 4.9 किलोग्राम ड्रग्स बरामद किए गए। इसकी कीमत 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। बताते चलें कि देशभर के एयरपोर्ट्स पर ड्रग्स के खिलाफ एक्शन लिया जा रहा है और इसमें बड़ी सफलता भी मिल रही है। इससे पहले सितंबर महीने की शुरुआत में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो चेन्नई ने एयरपोर्ट पर एक बड़े कोकीन सिंडिकेट का पर्दाफाश किया था। कार्रवाई में एक नाइजीरियन सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के समय आरोपियों के पास 5.618 किलोग्राम कोकीन थी, जिसकी कीमत कम से कम 60 करोड़ रुपए आंकी गई थी।

विदेश मंत्रालय का बड़ा कदम, भारतीय दूतावासों से पासपोर्ट कार्यालयों तक स्वच्छता अभियान 5 .0

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, यह अभियान दो चरणों में चलाया जा रहा है - प्रारंभिक चरण 15 सितंबर से 30 सितंबर तक और कार्यान्वयन चरण 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक। सरकारी निर्देशों के अनुरूप, विदेश मंत्रालय ने विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों और केन्द्रों के साथ-साथ क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों सहित अपने सभी कार्यालयों को तैयारी अवधि के दौरान विशिष्ट लक्ष्यों की पहचान करने के लिए सूचित किया है। इनमें आधिकारिक अभिलेखों की समीक्षा और उन्हें सुव्यवस्थित करना, लंबे समय से लंबित जन शिकायतों का समाधान करना, सांसदों और राज्य सरकारों के अनुरोधों का जवाब देना और संसदीय आश्वासनों को पूरा करना शामिल है। अभियान में सामान्य कार्यालय स्वच्छता, बेहतर कार्यालय प्रबंधन और कार्यस्थलों के सौंदर्यीकरण पर भी ज़ोर दिया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है, ₹विशेष अभियान दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। प्रारंभिक चरण 15 सितंबर, 2025 से 30 सितंबर, 2025 तक आयोजित किया जाएगा; इसके बाद कार्यान्वयन चरण 2 अक्टूबर, 2025 से 31 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने अपने सभी कार्यालयों, जिनमें विदेश स्थित मिशन/केंद्र और क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय शामिल हैं। अभिलेखों की समीक्षा; लंबित शिकायतों, सांसदों/राज्य सरकारों के संदर्भों और संसदीय आश्वासनों; स्वच्छता; कार्यालय प्रबंधन; और प्रारंभिक चरण में कार्यालय स्थान के सौंदर्यीकरण के संबंध में लक्ष्यों की पहचान करने के लिए सूचित किया है।'

जाति-धर्म छोड़ो ! तेजस्वी बोले- बिहार में अब सिर्फ विकास की नई राजनीति होगी

पटना, एजेंसी। बिहार में विपक्ष के नेता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को कहा कि वह नई राजनीति के लिए यहाँ आए हैं। उन्होंने जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास की राजनीति करने का आह्वान दोहराया। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपनी रैलियों की तस्वीरें साझा करते हुए, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता ने कहा कि वह 'विकास, सुधार, समृद्धि और उद्योग' की राजनीति के लिए यहाँ आए हैं।

यादव ने कहा कि मैं नई राजनीति करने आया हूँ। जहाँ जाति और धर्म की बात न हो, बल्कि हर क्षेत्र में विकास, सुधार, समृद्धि और उद्योग की बात हो। बिहार में प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश बढ़ाने पर चर्चा हो। जहाँ सकारात्मकता, रचनात्मकता, प्रगतिशीलता और गुणात्मक परिवर्तन राजनीति का आधार बनें। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राज्यव्यापी अभियान शुरू करने वाले राजद नेता ने खगड़िया ज़िले की एक रैली सहित अपनी हालिया रैलियों के वीडियो पोस्ट किए। उन्होंने दावा किया कि बिहार की मौजूदा राजनीतिक लड़ाई युवाओं और किसानों के भविष्य की लड़ाई है।

उन्होंने लिखा कि यह किसान के पसीने, मज़दूर की मेहनत और बेरोज़गार युवाओं के भविष्य की लड़ाई है... और यह करो या मरो की लड़ाई है, और मैं तब तक चैन से नहीं बैठूँगा जब तक बिहार को जीत नहीं दिला देता। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए तेजस्वी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बिहार के युवाओं की आकांक्षाओं से कटे हुए हैं और सेवानिवृत्त अधिकारियों और थके हुए नेताओं से घिरे हुए हैं।

अनिल अंबानी समूह और राणा कपूर की कंपनियों पर सीबीआई का शिकंजा, दो मामलों में आरोपपत्र किया दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो मामलों में आरोपपत्र दाखिल किया है, जो अनिल अंबानी के एडीए समूह की कंपनियों और यस बैंक के पूर्व प्रमुख राणा कपूर तथा उनके परिवार की कंपनियों के बीच कथित फर्जी वित्तीय लेन-देन से जुड़े हैं। यह कार्रवाई सार्वजनिक धन की हेराफेरी के आरोपों की जांच के बाद की गई है। सीबीआई के अनुसार, इन मामलों में पहला आरोपपत्र रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) से जुड़ा है, जबकि दूसरा आरोपपत्र राणा कपूर की पत्नी बिंदु कपूर और बेटियों राधा कपूर तथा रोशनी कपूर की कंपनियों के बीच हुए संदिग्ध लेन-देन से संबंधित है।

मिजोरम में असम राइफल्स की बड़ी कार्रवाई, 102 करोड़ की ड्रग्स बरामद

आइजोल। भारत-म्यांमार सीमा पर नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई जारी है। स्पीयर कोर के तहत आने वाली असम राइफल्स की यूनिट ने 34 किलो से अधिक मेथामफेटामाइन टैबलेट (ड्रग्स) को जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 102.65 करोड़ रुपए है। स्पीयर कोर इंडियन आर्मी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट शेयर कर इस कार्रवाई की जानकारी दी। स्पीयर कोर इंडियन आर्मी के अनुसार, असम राइफल्स ने यह कार्रवाई मिजोरम के चम्फाई जिले के जोटे इलाके में की है।

स्पीयर कोर इंडियन आर्मी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, स्पीयर कोर के तहत असम राइफल्स ने 18 सितंबर 2025 को मिजोरम के चम्फाई (जोटे) में 102.65 करोड़ (लगभग) मूल्य की 34.218 किलोग्राम मेथामफेटामाइन टैबलेट जब्त की। आगे की जांच के लिए प्रतिबंधित सामग्री को आबकारी और नारकोटिक्स विभाग चम्फाई को सौंप दिया गया है। विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर असम राइफल्स की टीम ने संदिग्ध व्यक्ति को रोका, जो कंसाइनमेंट लेकर जा रहा था। चुनौती पर वह सामान छोड़कर जंगल में भाग गया। गहन तलाशी में यह ड्रग्स बरामद हुई।

इससे पहले, 8 सितंबर को भारतीय सेना, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने चुराचांदपुर, बिष्णुपुर, चंदेल, थौबल, काकचिंग, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों में संयुक्त अभियान चलाए थे। इन अभियानों में 11 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया, साथ ही पांच हथियार, 6.9 करोड़ रुपए की अफीम, 690 लीटर नकली शराब और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की गई थी। इसके अलावा, 3 सितंबर को सैन्य बलों ने मणिपुर में संचालित होने वाले एक बड़े ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश किया था।

सैम पित्रोदा के बयान पर रार, भाजपा बोली- 26/11 हमले पर भारी पड़ा कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला और आरोप लगाया कि 2008 के मुंबई आतंकी हमले (26/11) के बाद भी कांग्रेस सरकार ने पाकिस्तान पर कोई सख्त कदम नहीं उठाया। भाजपा ने कहा कि इसकी वजह कांग्रेस का पाकिस्तान के प्रति अनवरत प्रेम था। मामला तब गरमा गया जब कांग्रेस के ओवरसीज विभाग प्रमुख सैम पित्रोदा का बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें पाकिस्तान में घर जैसा महसूस हुआ।

सैम पित्रोदा का यह बयान विपक्ष के लिए हथियार बन गया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इसे राहुल गांधी की सोच से जोड़ते हुए कहा कि राहुल गांधी के सबसे करीबी और कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा पाकिस्तान को अपना घर बताते हैं। यही वजह है कि यूपीए सरकार ने 26/11 जैसे हमले के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा कदम नहीं उठाया।

भाजपा प्रवक्ता का तीखा हमला

प्रदीप भंडारी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि पाकिस्तान का पसंदीदा और कांग्रेस का चुना हुआ! उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विदेश नीति हमेशा पाकिस्तान को खुश करने वाली रही है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने आतंकवाद पर कठोर रुख दिखाने की बजाय पाकिस्तान की स्थितियों को समझने और उनका पक्ष लेने की कोशिश की।

कांग्रेस की 'पाकिस्तान प्रेम' वाली छवि

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान को बचाने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने आतंकवादी हाफिज सईद से यासीन मलिक के जरिए बातचीत की, 26/11, समझौता, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों में पाकिस्तान को क्लीन चिट दी।

जल समझौते पर भी सवाल

पूनावाला ने आगे कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत करने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 पर पाकिस्तान की स्थिति को समर्थन दिया और इंदस वाटर ट्रीटी (सिंधु जल संधि) के तहत पाकिस्तान को 80 प्रतिशत पानी दिया। पूनावाला ने कांग्रेस को इस्लामाबाद नेशनल कांग्रेस तक कह दिया।

भाजपा का आक्रामक रुख

भाजपा ने कहा कि कांग्रेस का रवैया देश की सुरक्षा और आत्मसम्मान पर चोट पहुंचाने वाला रहा है। भाजपा नेताओं का कहना है कि 26/11 जैसे बड़े हमले के बाद भी यदि सख्ती नहीं दिखाई गई तो यह कांग्रेस की मानसिकता और उसके पाकिस्तान प्रेम को दर्शाता है। भाजपा ने इस मुद्दे को आगे बढ़ाकर चुनावी राजनीति में कांग्रेस पर दबाव बनाने का इशारा भी दिया है।

लालू परिवार में बढ़ी वर्चस्व की जंग, तेजस्वी के करीबी को रोहिणी आचार्य ने दिखाया आईना!

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार में लंबे समय से राज्यसभा सदस्य संजय यादव के खिलाफ चल रहा विरोध खुलकर सामने आ गया, जब उनकी छोटी बेटी रोहिणी आचार्य ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया। इसकी आग परिवार को और झुलसा सकती है, राजद और उसके नेता तेजस्वी प्रसाद यादव की छवि को नुकसान पहुँचा सकती है, और आगामी विधानसभा चुनावों में उनकी संभावनाओं को भी नुकसान पहुँचा सकती है।

लालू पहले ही अपने बड़े बेटे और हसनपुर से विधायक तेज प्रताप यादव से अलग हो चुके हैं, क्योंकि उन्होंने शादीशुदा होने के बावजूद एक लड़की के साथ लंबे समय से प्रेम संबंध होने की बात स्वीकार की थी। रोहिणी द्वारा शेयर की गई पोस्ट पटना के आलोक कुमार ने लिखी थी। इसमें संजय एक छोटी बस की अगली सीट पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसे वैनिटी वैन में बदल दिया गया है और जिसका इस्तेमाल लालू के छोटे बेटे और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव अपनी बिहार अधिकार यात्रा के लिए कर रहे हैं। रोहिणी द्वारा शेयर की गई आलोक की पोस्ट में लिखा है, ₹आगे की सीट हमेशा शीर्ष नेता के लिए होती है और उनकी अनुपस्थिति में भी किसी को उस पर नहीं बैठना चाहिए। हालाँकि, अगर कोई खुद को शीर्ष नेतृत्व से ऊपर समझता है तो यह अलग बात है।' इसमें आगे कहा गया है कि 'हम समेत पूरा बिहार लालू जी और तेजस्वी यादव को आगे की सीट पर बैठे देखने का आदी है।

सुलतानपुर पहुंचीं अपर्णा यादव ने कांग्रेस को बताया सर्वाधिक वोट चोरी करने वाली पार्टी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव शुक्रवार को एक दिन के दौरे पर सुलतानपुर पहुंचीं। उन्होंने कई विभाग की समीक्षा के साथ जेल में बंद महिला कैदियों से भेंट करने के बाद मीडिया से वार्ता की। उन्होंने मां अंबी बिष्ट के खिलाफ लखनऊ में दर्ज एफआईआर पर कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया।

मीडिया से वार्ता के दौरान राहुल गांधी के हाईड्रोजन बम मामले पर अपर्णा यादव ने कहा कि देखिए वोट चोरी करना या न करना एक विषय है। यह तो सभी को पता है कि कांग्रेस से अधिक वोट चोरी किसने की है। कांग्रेस तो सर्वाधिक वोट चोरी करने वाली पार्टी है। उन्होंने आगे कहा चाहे बोफोर्स का प्रकरण हो, चाहे कांग्रेस पार्टी की सरकार का, गूगल सर्च कर लीजिये उनकी पोल पट्टी सामने आ जाएगी।

अपर्णा यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक चीज जरूर की है। उन्होंने उन लोगों की नींद उड़ा के रख दी है, जो लोग आतंकवाद फैला रहे थे। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र विरोधियों की नींद बिल्कुल खराब कर दी है। हो सकता है, राहुल जी अजीब तरीके से बात करते हैं तो उनकी तारीफ करने के बजाय इस तरह की बात कर रहे हों। अपर्णा यादव ने साफ कहा कि भारत सरकार की जो एजेंसीज हैं उनके बारे में अनाप शनाप बोलने से राजनीति नहीं चमकेगी। वे (राहुल) पॉलिटिक्स में इतने समय से हैं, इतने बड़े परिवार से हैं, ऐसी बात क्यों करते हैं, समझ में नहीं आती है। आयोग सदस्य ने यहां जिला जेल में महिला बंदियों से भेंट की। उन्होंने बताया यहां पुस्तकालय बन रहा है, उसके लिए पुस्तकें देंगी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की समधन और अपनी मां अंबी बिष्ट के खिलाफ लखनऊ में दर्ज हुई एफआईआर के प्रकरण में सवाल पर उनका जवाब था, नो कमेंट्स।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र के कांकर कोला गांव में शुक्रवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक नव विवाहिता की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अजमेरुल निशा उम्र लगभग बीस वर्ष जिनका मायका कोटवा कोछित जनपद अमेठी है। उसकी शादी बीते जून माह में हलियापुर थाना क्षेत्र के कांकर कोला निवासी इशतिखार पुत्र इलियास के साथ हुई थी पति इशतिखार भाइयों के साथ दिल्ली में रोजगार करता है घर पर अजमेरूल निशा की ननद हिना व बुजुर्ग सास तथा ससुर इलियास रहते हैं। शुक्रवार सुबह ससुर इलियास दवा लेने के लिए लखनऊ गया था घर पर बुजुर्ग सास व ननद हिना तथा मृतका अजमेरुल निशा थी। इसी बीच किसी पारिवारिक विवाद को लेकर अजमेरुल निशा छत पर चली गई जिसके कुछ देर बाद नीचे खाना बना रही ननद हिना जब छत पर पहुंची तो छत के ऊपर बने कमरे में अजमेरूल निशा को टीनशेड की पाइप से दुपट्टे से लटका हुआ देखा उसने शोर मचाया मौके पर परिजनों ने उसे फांसी के फंदे से नीचे उतारा मगर तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में हाहाकार मच गया। सूचना मिलते ही मृतक के ससुर जगदीशपुर से वापस घर पहुंचे तब तक मृतका के मायके वाले भी पहुंच चुके थे सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने विधिक कार्यवाही बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इस संबंध में थाना प्रभारी तरुण पटेल ने बताया कि विधिक कार्यवाही बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है तहरीर मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

दुकानों का किराया खुद ही रख लेता था पिता, बेटा मांगता पैसे तो दिखा देता ठेंगा... फिर बेटे ने दोहराई दृश्यम!

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, यहां एक बेटे ने बॉलीवुड की फिल्म दृश्यम देखकर पिता की ही हत्या की साजिश रच डाली।

कल्याणपुर के पुराना शिवली रोड निवासी कमलापति तिवारी बिहार के जयनगर में रेलवे के गार्ड से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी पत्नी मधु तिवारी वृंदावन में रहती हैं। उन्होंने 12 जून को थाने में गुमशुदगी कराई थी कि उनके पति 15 मार्च को घर से किसी काम से निकले थे, लेकिन तब से नहीं आये हैं। पुलिस ने उस समय कोई काम नहीं किया, जिस पर उनकी पत्नी कुछ समय पहले फिर गुहार लगाई। डीसीपी के आदेश के बाद पुलिस ने तेजी दिखाई, जिसके बाद पुलिस ने कमलापति के मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लगाया तो एक बार फोन चालू मिला, जो एक युवक के पास था। उससे पूछताछ करने पर बताया कि आईआईटी सोसाइटी निवासी ऋषभ शुक्ला ने फोन दिया है।

ऋषभ से जब पूछताछ की गई तो तो वह बात घुमाने लगा। सख्ती से पूछने पर उसने घटना कबूली और बताया कि कमलापति नशेबाज थे। उनकी आठ दुकानों की एक मार्केट है, उसका किराया भी वही रखते थे। ऋषभ ने बताया कि कमलापति का बेटा रामजी बेरोजगार है। वह पिता से पैसे मांगता तो उसे बेइज्जत कर भगा देते थे। पिता के इस व्यवहार से रामजी पत्नी संग नारामऊ में रहने लगा था।

इसपर रामजी और उसने मिलकर कमलापति की उनके घर पर हत्या की और शव लेकर औरैया पहुंचे, जहां पेट्रोल डालकर शव जला दिया। इसके बाद उनका मोबाइल फोन बंद कर कार से जयनगर पहुंचे। जहां ऋषभ ने फोन चालू करके उस नंबर से कॉल भी किया और फिर वहीं सिम फेंककर मोबाइल अपने साथ ले आया था।

वहीं, पुलिस ने रामजी को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों ने बताया कि दृश्यम फ़िल्म देख घटना की। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शुक्रवार को दोनों को जेल भेजा जा रहा है।

दो दिवसीय प्रवेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

सुलतानपुर। माननीय उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुलतानपुर के निर्देशानुसार आज से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुलतानपुर में 02 दिवसीय प्रवेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम श्री संतोष कुमार-तृतीय एवं अपर जनपद न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुलतानपुर विजय कुमार गुप्ता ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर चयनित पैरालीगल वालेन्टियरगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर प्रशिक्षणदाता सिविल जज (प्र०ख०) एफ०टी०सी० सुलतानपुर भव्या श्रीवास्तव, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष आर०पी० शुक्ला, चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल तारकेश्वर सिंह एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी वी०वी० वर्मा ने पैरालीगल वालेन्टियरों को विस्तृत जानकारी दी।

केएनआईटी में बिना पीएचडी पदोन्नति के मामले में मुख्यमंत्री से हुई शिकायत

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। भारत सरकार के राजपत्र संख्या 182 के विपरीत पीएचडी किए बिना ही कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, सुल्तानपुर के व्याख्याताओं की हो रही कैश के अंतर्गत पदोन्नति। बताते चले केएनआईटी में कार्यरत तीन व्याख्याता की पदोन्नति का प्रस्ताव बिना पीएचडी किए ही प्रशासनिक परिषद (बीओजी) की 56 वीं बैठक में रखा गया था जिस पर आपत्ति के बाद गठित कमेटी गठित ने पदोन्नति के प्रस्ताव पर असहमति जताई। 57वीं प्रशासनिक परिषद (बीओजी) की बैठक में पीएचडी किए बिना तीनों व्याख्याताओं की पदोन्नति के प्रस्ताव को पुनः निरस्त कर दिया। सूत्रों का कहना है कि प्रशासनिक परिषद (बीओजी) 60 वीं बैठक में निदेशक, केएनआईटी ने तथ्यगोपन करते हुए उपरोक्त प्रस्ताव को स्वीकृत करा लिया।

केएनआईटी के निदेशक डॉ राजीव कुमार उपाध्याय द्वारा 2018 के शासनादेश के विपरीत आर के सिंह, वाई के सिंह, प्रो समीर श्रीवास्तव आदि को वेतन वृद्धि देने की संस्तुति की गई है। जबकि ऐसे ही प्रकरण में निदेशक डॉ राजीव कुमार उपाध्याय और कुलसचिव डॉ ए के चौहान के द्वारा जारी पत्र से डॉ अवधेश द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 07 वर्ष के भीतर पीएचडी पूर्ण नहीं कर पाने पर उनकी वेतन वृद्धि रोक दी है। जिसके बारे पूछने पर केएनआईटी के निदेशक डॉ राजीव कुमार उपाध्याय ने कहा कि मैं इन प्रकरणों पर कुछ नहीं कहूंगा। वेतन भुगतान होने के बाद ही कुछ बता पाऊंगा। अधिक जानकारी के लिए कुलसचिव डॉ ए के चौहान से बात कर सकते हैं।

कुलसचिव डॉ ए के चौहान ने बताया कि मुझे इन प्रकरणों से संबंधी नियम का ज्यादा ज्ञान नहीं है। क्योंकि प्रशासनिक परिषद (बीओजी) में जो प्रस्ताव रखा जाता है। उसके सचिव केएनआईटी के निदेशक होते है। जो मेरे ऊपर के स्तर के हैं। क्या सही है क्या गलत इस बात को निदेशक ही बता सकते हैं। उपरोक्त प्रकरणों की पत्रावली पर हमारे द्वारा कार्यवाही की जा रही है। उपरोक्त विषय पर और जानकारी लेने के लिए मीडिया प्रभारी डॉ सौरभ मणि त्रिपाठी से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बात करने से मना करते हुए कहा गया कि इस प्रकरण पर मुझे बोलने की अनुमति नहीं है। आप डायरेक्टर से बात कर सकते हैं। दोनों प्रकरणों पर उत्तर नहीं दे पाए केएनआईटी के निदेशक, कुलसचिव और मीडिया प्रभारी। इसके डीडीओ एडीएम वित्त होते हैं जिनके हस्तक्षेप से निदेशक द्वारा किए तथ्य गोपन का खुल सकता है राज। इन प्रकरणों की शिकायत जनसुनवाई के माध्यम से मुख्यमंत्री से हुई है।

आठवें वेतन आयोग को लेकर रेल कर्मियों ने दिया जंक्शन पर धरना

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। आठवें वेतन आयोग के गठन में एवं उसकी शर्तों में हो रहे विलंब को देखते हुए आज एक रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर धरना एवं प्रदर्शन का आयोजन किया गया। धरने को संबोधित करते हुए शाखा मंत्री कामरेड आसिम सज्जाद ने कहा की आठवां वेतन आयोग 1 जनवरी 2026 से लागू होना है, परंतु अभी तक सरकार ने पूरी कमेटी का गठन ही नहीं किया है। आयोग का गठन एवं उसकी शर्तों का निर्धारण करके पूरी समिति का गठन किया जाए और रिपोर्ट को 1 जनवरी 2026 से लागू किया जाए। कार्यक्रम को पूर्व शाखा अध्यक्ष कामरेड महावीर प्रसाद यादव, का. अनिल श्रीवास्तव, का. जे ए फारुकी, का. के सी मीणा, का. अमरेंद्र यादव, का. रविंद्र यादव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पूर्व शाखा मंत्री का. एस सी द्विवेदी ने कहा कि सरकार रनिंग कर्मचारीयों का 25 परसेंट माइलेज का भुगतान एवं 56 लोको पायलट का नियम विरुद्ध किए गए स्थानांतरण को अभिलंब रद्द करें। कार्यक्रम में सहायक शाखा मंत्री केशव गुप्ता, का. भूर सिंह मीणा, का. कपिल देव तिवारी, का. ज्योति श्रीवास्तव, का. यशवंत सिंह एवं कोषाध्यक्ष का. काली प्रसाद, का. नीतीश कुमार सिंह, रमेश कुमार, विपिन कुमार संजय पांडे, शीतला दुबे, का. जयप्रकाश मीणा का. फागु राम समेत सैकड़ो साथी उपस्थित रहे।

संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क बोले : पीएम को आरआरएस प्रमुख ने नहीं दी जन्मदिन की बधाई, कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश-विदेश से जन्मदिन पर बधाइयां मिल रही हैं, लेकिन आरआरएस प्रमुख मोहन भागवत ने उन्हें बधाई नहीं दी है। शायद कुछ गड़बड़ है। यह बात संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कही है। बृहस्पतिवार को सांसद ने अपने दीपा सराय स्थित आवास पर मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को सभी ने जन्मदिन की बधाई दी है और मैं भी उन्हें मुबारकबाद देता हूं, लेकिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई नहीं दी है। इसके पीछे क्या कारण है, पता नहीं। कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं है।

आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 साल के हो चुके हैं और अब देखना होगा कि भाजपा की नीतियों में आगे किस तरह के बदलाव होते हैं। भारत-पाकिस्तान के मैच को लेकर कहा कि मैच की कमाई पहलगाम के पीड़ितों को दी जाती है तो यह एक अच्छा कदम होगा। पीड़ितों को काफी हद तक राहत मिलेगी। इसके लिए खिलाड़ियों को भी आगे आना चाहिए, जिससे पीड़ितों की मदद हो सके। कमाई तो कोई भी दे सकता है चाहे वह राजनीतिक हो या खिलाड़ी हो।

संभल को एटीएस यूनिट की नहीं शिक्षा में बदलाव और इंडस्ट्रीज की जरूरत

संभल को एटीएस यूनिट की जरूरत नहीं है। इंडस्ट्रीज की जरूरत है। शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव करने की जरूरत है। इस शहर में बिना किसी खौफ के लोग रहते हैं। 1978 में जो लोग शहर से गए तो वह भी विकास के क्षेत्र में पिछड़ापन के कारण गए। यह कहना है संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क का। सोमवार को अपने दीपा सराय स्थित आवास पर सांसद ने मीडिया से बातचीत की। एटीएस यूनिट कब्रिस्तान से मुक्त की गई भूमि पर निर्माण होगी। इस सवाल पर सांसद ने कहा कि सरकार को जमीन की कमी थोड़ी है लेकिन सरकार कब्रिस्तान का अपमान कर रही है।

अनावश्यक तौर पर मुस्लिम समाज को परेशान किया जा रहा है। संभल को आतंकवाद से जोड़ा जा रहा है। आरोप लगना और साबित होना दोनों अलग बातें हैं। मुसलमानों को आतंकवाद के नाम से बदनाम किया जा रहा है। शहर के युवा अच्छी राह पर चल रहे हैं।

मुस्लिम समाज ने देश के लिए कुर्बानी दी है। मुस्लिम दुनिया में जहां भी रहते हैं वह अपने देश के साथ वफादारी करते हैं। आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो वक्फ संपत्ती को लेकर फैसला सुनाया है, वो न सिर्फ कानून की जीत है, बल्कि सच्चाई और संविधान की भी जीत है।

आगे कहा कि जिलाधिकारी को वक्फ संपत्ति पर अंतिम हक देने वाला प्रावधान रद्द किया गया है। सांसद ने मांग की है कि वक्फ काउंसिल और वक्फ बोर्ड में दूसरे मजहब का एक भी सदस्य नहीं होना चाहिए। आगे कहा कि पूरा केस अभी खत्म नहीं हुआ है वक्फ बाय यूजर का मामला अभी विचाराधीन है।

'एक लाख रुपये दो और एक घंटे के लिए खुद को सौंप दो, नहीं तो ...', सरकारी स्कूल की रसोइया को युवक ने दी धमकी

आर्यावर्त संवाददाता

महोबा। एक लाख रुपये दो और एक घंटे के लिए खुद को सौंप दो....सरकारी विद्यालय की रसोइया को कथित वीडियो दिखाकर युवक ने उसे यही धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि छेड़छाड़ कर उसके दो वीडियो बनाए गए हैं, जिसमें चेहरा उसका है पर वह नहीं है। उसे दिखाया जो निश्चित रूप से छेड़छाड़ कर बनाया है। उसने दो वीडियो दिखाए जिसमें चेहरा उसका था पर वह नहीं थी। धमकी देकर कहा कि वह वीडियो प्रचलित कर देगा नहीं तो सरकारी अस्पताल के सामने पहुंचो। वह घबरा गई और अस्पताल के सामने पहुंच गई। यहां उसने कहा कि एक लाख रुपये लेकर उसे उसकी बताई जगह पर आना होगा। कहा कि रुपया के साथ ही उसे खुद अपने को एक घंटे के लिए उसे सौंपना होगा।

महिला ने कहा कि एक लाख रुपये मेरे पास नहीं है और वह उसके पास नहीं आएगी। क्योंकि ये वीडियो उसके नहीं है। उसने घर पहुंचकर पुत्र और पति को इसकी सारी जानकारी दी। रसोइया व उसके पति उदयभान ने खरेला के ही रहने युवक को भी उसके चेहरे का तथा कथित वीडियो दिखाया और कहा कि जैसा में कहूंगा वह करेगी। नहीं तो वह उसके वीडियो प्रचलित कर उसे बदनाम कर देगा। उसने पुत्र को वीडियो दिखाकर भी धमकी दी थी। 30 जुलाई को उसने सूचना थाना खरेला में दी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। 31 जुलाई को पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड डाक से शिकायती पत्र भेजा पर कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़िता ने न्यायालय का सहारा लिया। न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर थाना खरेला पुलिस ने आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष सुषमा चौधरी ने बताया कि विवेचना की जा रही है।

'साहब मेरी बेटी को बाघ ले गया'... बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई थी, महिला ने सच छिपाने के बनाई गजब की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के मछरेहटा थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला ने दावा किया कि उसकी बेटी को सुबह शौच के दौरान बाघ उठा ले गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस, प्रशासन और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और कई किलोमीटर तक कॉम्बिंग कराई गई। ड्रोन की मदद से खेत-खलिहानों की तलाशी हुई, लेकिन न तो बाघ का कोई सुराग मिला और न ही लड़की का। इसके बाद मामले में एक ऐसा खुलासा हुआ, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

मामला सीतापुर जिले के मछरेहटा थाना इलाके के राठौरपुर गांव का है, जहां की रहने वाली प्रेमा देवी ने पुलिस को सूचना दी थी कि सुबह करीब 5:30 बजे उनकी बेटी कामिनी अपनी मां और बहन के साथ शौच करने गई थी। तभी अचानक एक बाघ ने हमला कर दिया और उनकी बेटी को जबड़े में दबाकर खेतों की ओर ले भागा। इस बयान के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। गांव वालों की भीड़ जमा हो गई और प्रशासन हरकत में आ गया।

तालाशी में नहीं लगा युवती का कोई भी सुराग

घटनास्थल पर पहुंचे एसडीओ ब्रजेश पांडेय, सीओ मिश्रिख समेत पुलिस और वन विभाग की टीमों ने करीब 10 किलोमीटर के दायरे में कॉम्बिंग की। आसपास के खेतों और जंगलों में तलाशी ली गई, लेकिन अधिकारियों को कहीं भी बाघ के पदचिन्ह नहीं मिले। इस पर शक और गहरा गया। पुलिस ने जब प्रेमा देवी से गहराई से पूछताछ की, तो सच्चाई सामने आई। दरअसल, कामिनी की शादी तय हो चुकी थी, लेकिन वह किसी अन्य युवक से प्रेम करती थी।

महिला ने किया हैरान करने वाला खुलासा

गुरुवार सुबह कामिनी अपने प्रेमी के साथ गांव से भाग गई। बेटी के अचानक गायब होने पर मां ने बदनामी के डर से यह कहानी गढ़ दी कि उसे बाघ उठा ले गया। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने दबाव बनाया, तब जाकर महिला ने सच स्वीकार किया। उसने बताया कि उनकी बेटी अपने पड़ोसी गांव के युवक के साथ भागी है। फिलहाल पुलिस ने मां की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और लड़की व उसके प्रेमी दोनों की तलाश शुरू कर दी है।

युवती और उसके प्रेमी की तलाश में जुटी पुलिस

यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। पहले तो लोगों ने इसे बाघ के हमले की घटना समझा, लेकिन बाद में जब सच्चाई सामने आई तो गांव वाले भी दंग रह गए। वन विभाग ने भी साफ कर दिया कि मौके पर बाघ की कोई गतिविधि या निशान नहीं मिले हैं। फिलहाल पुलिस युवती और उसके प्रेमी की तलाश कर रही है।

पिछली सरकारों ने उत्तर प्रदेश को बनाया बीमारू, हमने बनाया भारत की ग्रोथ का इंजन: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आठ साल पहले देश के विकास की राह में उत्तर प्रदेश को बैरियर माना जाता था, पिछली सरकारों ने इसे बीमारू राज्य बना दिया था। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता के मार्गदर्शन में 2017 में उत्तर प्रदेश में जब भाजपा की सरकार बनी तो प्रदेश ने हर क्षेत्र में तरक्की की। यही वजह है कि अब भारत की ग्रोथ का इंजन उत्तर प्रदेश बन गया है। प्रदेश अब देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य है और जल्द ही पहले स्थान पर होगा। यह बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नेहरू नगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व पर पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर द्वारा लिखी पुस्तक के

विमोचन और विजन उत्तर प्रदेश 2047 के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि यूपी की अर्थव्यवस्था 12 लाख से बढ़कर पिछले नौ सालों में कोरोना महामारी का सामना करने के बावजूद अब 36 लाख करोड़ तक पहुंचाने वाल हैं। प्रति व्यक्ति आय तीन गुना अधिक हुई। अन्नदाता के जीवन में खुशहाली लाने का प्रयास किया जा रहा है।

इंफ्रास्ट्रकचर , हाईवे, एक्सप्रेसवे सबसे अच्छे उत्तर प्रदेश में हैं। सबसे बड़ा मेट्रो और रेलवे का नेटवर्क भी उत्तर प्रदेश में है। इससे प्रदेश की छवि अच्छी हुई है। 2047 तक विकसित भारत के लिए प्रधानमंत्री ने पंच प्रण की बात देशवासियों से कही है। इनमें विरासत का सम्मान करने, गुलामी की मानसिकता और चिह्न को समाप्त करने, सैनिकों का सम्मान करने, सामाजिक समता का व्यवहार करने और नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करने की बात शामिल है। भारत तभी विकसित होगा, जब उत्तर प्रदेश विकसित होगा। उत्तर प्रदेश तब विकसित होगा जब गाजियाबाद समेत हर जिले विकसित होंगे। आने वाले सालों में प्रदेश का विकास कैसे हो, इसके लिए 300 विशेषज्ञों को फील्ड में उतारा गया है। वह प्रत्येक जिले में जाकर लोगों के सुझाव ले रहे हैं। कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, औद्योगिक , व्यापार, सामाजिक सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर सहित 12 प्रमुख सेक्टर से जुड़े लोगों से सुझाव लिए जा रहे हैं, मेरी अपील है कि वह विकास की इस यात्रा में सहभागी बनें। सभी लोग समर्थ उत्तर प्रदेश के पोर्टल पर जारी क्यूआर कोड को स्कैन कर अपने सुझाव प्रदेश सरकार को दें। तीन बेहतर सुझाव देने वालों को जिला स्तर पर और पांच बेहतर सुझाव देने वालों को प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जिले के लोगों को शरदीय नवरात्र की मंगलमय शुभकामनाएं देते हुए अपने संबोधन को समाप्त किया।

पुस्तक पढ़कर प्रधानमंत्री मोदी के जीवन से युवा लें प्रेरणा

सीएम ने कहा कि प्रो. रमेश चंद तोमर को भारतवर्ष की स्वर्ण आभा - नरेंद्र मोदी पुस्तक को लिखने और विमोचन के लिए बधाई देता हूं। लिखना एक साधना है। हर व्यक्ति लिख नहीं सकता है, हर व्यक्ति सोच नहीं सकता है, हर व्यक्ति बोल नहीं सकता है। लेकिन सोचने, लिखने और बोलने का कार्य पूर्व सांसद प्रो. रमेश चंद तोमर ने अपने शिक्षक पेशे के अनुरूप किया है। इस पुस्तक को युवाओं को पढ़कर प्रधानमंत्री के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, इस तरह की पुस्तक सभी पुस्तकालयों में होनी चाहिए।

अपराध के लिए जाना जाता था गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर

सीएम ने कहा कि जब वह सांसद थे तो दिल्ली में आते थे। उस वक्त गाजियाबाद की छवि अच्छी नहीं थी। यह जिला गैंग्स्टर के लिए जाना जाता था , अपराध को लेकर इस जिले पर फिल्म बन चुकी थी। अपराध और गंदगी गाजियाबाद की पहचान थी और गौतमबुद्धनगर लूट का अड्डा एवं बेईमानी का जरिया बना था। कहा जाता था कि जो मुख्यमंत्री नोएडा जाता था, वह दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनता था। लूट खसोट वालों ने यह भ्रांति फैलाई थी, मैं मुख्यमंत्री के बाद कई बार नोएडा गया और पांच साल पूरे होने के बाद दोबारा मुख्यमंत्री बना। बिजनौर के बारे में कहा गया कि वहां रात को नहीं रुकना चाहिए, मैं वहां पर रुका। आगरा के बारे में लोग कहते थे कि वहां के सर्किट हाउस में न रुकें, वहां भूत आता है तो मैंने जवाब देते हुए कहा कि भूत का साक्षात्कार करूंगा और सर्किट हाउस में रुका। जब जिद हो तो कोई बाधा आपके मार्ग की बाधा नहीं बन सकती है, जिद स्वार्थ की नही विकास की होनी चाहिए। समाज और राष्ट्र से जुड़े कार्य की होनी चाहिए।

टेक्नोलॉजी किसी को बेरोजगार नहीं करती

वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आने पर नौकरियों के खतरे की चर्चा खूब है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि टेक्नालाजी किसी को बेरोजगार नहीं करती है, बल्कि विकास के नई राह दिखाती है। बस जरूरी यह है कि हम इसे किस रूप में लेते हैं। कंप्यूटर आने पर भी नौकरी जाने का खतरा बताकर आंदोलन किए गए। लेकिन इससे नौकरी नहीं गई। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक उर्वरा भूमि है, किसान नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें, जल प्रबंधन में , नदियों के पुनरोद्धार के बारे में नई तकनीक का इस्तेमाल करें। पहले लोगों के पास मोबाइल नहीं थे लेकिन मुमकिन है कि भविष्य में मोबाइल ही सबसे जरूरी हो, आज हम टेलीमेडिसिन का लाभ ले रहे हैं। कुछ साल बाद मोबाइल ही डॉक्टर की तरह कार्य कर लोगों की बीमारी के बारे में बताए और उपचार के तरीके बताए।

मिशन शक्ति अभियान के तहत एंटी-रोमियो स्क्वाड को प्रशिक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा वर्ष 2017 में गठित एंटी-रोमियो स्क्वाड को मिशन शक्ति अभियान के तहत आज प्रशिक्षण दिया गया। पुलिस आयुक्त श्री अमरेन्द्र कुमार सेंगर और संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था श्री बब्लू कुमार के निर्देशन में रेडियो मुख्यालय उत्तर प्रदेश सभागार में 54 थानों में नियुक्त एंटी-रोमियो स्क्वाड के कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश और प्रशिक्षण प्रदान किया गया।इस पहल का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों जैसे स्कूल, कॉलेज, बाजार, पार्क और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर महिलाओं और लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़, अभद्रता और अश्लील टिप्पणियों को रोकना है। स्क्वाड के गठन और कार्यप्रणाली के तहत प्रत्येक टीम में एक सशस्त्र पुरुष पुलिसकर्मी और सादे कपड़ों में महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मी शामिल होंगे। टीम के वाहनों में वायरलेस सेट होंगे, ताकि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना शीघ्र संबंधित थानों तक पहुंचाई जा सके।स्क्वाड रोज सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक सक्रिय रहेगा। सुबह स्कूल और कॉलेज के पास और शाम को मॉल, पार्क व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर गश्त की जाएगी। वाहनों पर 'मिशन शक्ति' और 'एंटी-रोमियो स्क्वाड' का लोगो होगा, जिससे जनता इसे पहचान सके।कार्यवाही और आचरण के दौरान पहली बार पकड़े जाने पर मनचलों को कड़ी चेतावनी दी जाएगी और उनके माता-पिता को सूचित किया जाएगा। पकड़े गए व्यक्तियों की फोटो और विवरण रजिस्टर में दर्ज किए जाएंगे। बालिका विद्यालयों और महिला महाविद्यालयों में शिकायत पेटिकाएं लगाई जाएंगी, जिससे छात्राएं बिना नाम बताए अपनी शिकायत दर्ज करवा सकें।एंटी-रोमियो स्क्वाड का उद्देश्य किसी को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना नहीं है। कोई भी अमानवीय कार्रवाई, जैसे सिर मुंडवाना या कालिख पोतना, सख्त मना है। अभियान नैतिक पुलिसिंग के लिए नहीं है और सामाजिक परंपराओं के दायरे में रहने वाले जोड़ों से अनावश्यक पूछताछ या पहचान पत्र नहीं मांगा जाएगा। टीम सदस्यों को हमेशा कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा और जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। किसी भी दशा में महिलाओं को पुलिस थाने नहीं लाया जाएगा और अनावश्यक पूछताछ नहीं की जाएगी।इस पहल के माध्यम से पुलिस और जनता में सामंजस्य स्थापित होगा।

बैंक के सामने से बाइक चोरी

लखनऊ। गोसाईंगंज कस्बे की एक बैंक के सामने से चोरों ने शुक्रवार को बाइक चोरी कर ले गए। काम निपटाने के बाद जब व्यक्ति वापस आया तो बाइक नही मिली। खोजबीन के बाद गोसाईंगंज थाने पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया।

पीड़ति अमित यादव निवासी शाहखेड़ा, अर्जुनगंज, थाना सुशांत गोल्फ सिटी ने बताया कि सुपर स्पेलेंडर बाइक गाड़ी नंबर UP 32 KK 4130 है। जिसे मैंने सोमवार को हमारे परिचित शिवा गुप्ता को दिया था क्योंकि उन्हें बैंक जाना था। वो उसी दिन दोपहर के लगभग 2:00 बजे भारतीय स्टेट बैंक, गोसाईगंज पहुंचे और बैंक सामने गाड़ी खड़ी करके अंदर बैंक के काम से चले गए। किंतु जब वह 2:30 पर बैंक से बाहर निकले तो गाड़ी वहां से गायब थी। उनके कथन अनुसार गाड़ी उनके बैंक अंदर जाने अंतराल अज्ञात लोग द्वारा वाहन चोरी हो गई। गोसाईंगंज पुलिस ने मामले को दर्ज कर अज्ञात चोरो की तलाश में जुटी है।

ऑनलाइन गेमिंग में फंसते युवाओं के बढ़ते जोखिम पर कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने जताई चिंता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज के धनुवासाड़ गांव में सुरेश यादव के पुत्र यश यादव द्वारा ऑनलाइन गेम में पैसे हारने के बाद आत्महत्या की दुखद घटना के बाद आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय जी मृतक के आवास पर पहुंचे और परिजनों से गहरी संवेदना व्यक्त की।इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए अजय राय ने कहा कि रोजगार की कमी और आर्थिक दबाव के कारण देश के युवा ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया में धन कमाने की लालच में फंस रहे हैं। लगातार गेम खेलने के कारण युवाओं का ध्यान पढ़ाई से हट रहा है और अधिक धन हार जाने की स्थिति में वे तनाव और डिप्रेशन जैसी गंभीर मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जो कई बार उन्हें आत्महत्या तक ले जा रही हैं। उन्होंने याद

दिलाया कि कुछ समय पहले लखनऊ के छोटा भरवारा, गोमती नगर निवासी रवीन्द्र प्रताप सिंह के पुत्र सिद्धार्थ प्रताप सिंह ने भी इसी तरह ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंसकर अपनी जान दे दी थी।अजय राय ने सरकार पर आरोप लगाया कि ऑनलाइन गेमिंग पर स्पष्ट नियम नहीं बनाए जा रहे हैं और इस क्षेत्र में सख्त निगरानी का अभाव है। उनका कहना था कि सत्ताधारी पार्टी और उससे जुड़े लोग ऑनलाइन गेमिंग के व्यापार में संलिप्त हैं, जिससे युवाओं में गलत आदतें विकसित हो रही हैं और जुआ या सट्टे जैसी गतिविधियों में फंसने का खतरा लगातार बढ़ रहा है।इस मौके पर अजय राय के साथ जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बब्लू, सदस्य पीसीसी अब्दुल्ला शेर खान, के.के. सिंह, कृपा शंकर शर्मा पूर्व प्रधान और साधु यादव पूर्व चेयरमैन कोऑपरेटिव सहित अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे।अजय राय ने इस मौके पर जोर देकर कहा कि सरकार को तुरंत प्रभावी कदम उठाकर ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण और युवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

लखनऊ नगर निगम ने शुरू किया देश का पहला ए.बी.सी. ट्रेनिंग सेंटर, नवंबर से होगा पहला सत्र

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने पशु जन्म नियंत्रण (एनीमल बर्थ कंट्रोल–ए.बी.सी.) कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम द्वारा स्थापित देश का पहला ए.बी.सी. ट्रेनिंग सेंटर अब प्रशिक्षण के लिए आवेदन स्वीकार कर रहा है। इस केंद्र में पशु चिकित्सक, पैरा वेटरिनेरियन और एनिमल हैंडलर्स को ए.बी.सी. रूल्स 2023 के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।यह प्रशिक्षण केंद्र लखनऊ नगर निगम, एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हुए त्रिपक्षीय अनुबंध के तहत स्थापित किया गया है। प्रशिक्षण संचालन की जिम्मेदारी नगर निगम द्वारा चयनित संस्था ह्यूमन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स को दी गई है। केंद्र में 15 दिन का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रतिभागियों को थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल सेशन भी कराए जाएंगे। प्रशिक्षण शुल्क पशु चिकित्सकों के लिए 5000 रुपये, पैरा वेट्स के लिए 1500 रुपये और एनिमल हैंडलर्स के लिए 1000 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण पूरा करने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा।देश में बढ़ते मानव-श्वान संघर्ष को नियंत्रित करने के लिए ए.बी.सी. डॉग रूल्स 2023 और माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार बंध्याकरण कार्यक्रम को ही सबसे न्यायोचित विकल्प माना गया है। इसी उद्देश्य से लखनऊ नगर निगम ने इस प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की है। नगर निगम का मानना है कि इस पहल से श्वान बंध्याकरण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं को मानक पद्धतियों और तकनीकी दक्षता की बेहतर समझ मिलेगी।

मड़ियांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई : जुआ खेलते 12 लोग गिरफ्तार, 89 हजार रुपये नकद और ताश की गड्डियां बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन के अंतर्गत थाना मड़ियांव पुलिस ने जुआ खेल रहे गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 लोगों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने मौके से 89,000 रुपये नगद, 52 ताश के पत्ते और दो नई ताश की गड्डियां भी बरामद कीं। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने का पुलिस का संकल्प एक बार फिर सामने आया है।घटना 18 सितम्बर की रात की है, जब मड़ियांव पुलिस टीम चौकी अजीज नगर क्षेत्र में गश्त और वांछित अभियुक्तों की तलाश में थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रायपुर स्थित सिटी लाइफ हॉस्पिटल के पीछे कृष्णा कॉलोनी के एक खाली प्लॉट पर कुछ लोग ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तुरंत घेराबंदी की और मौके पर दबिश दी, जहां जुआ खेल रहे लोगों को पकड़ लिया गया।गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अभिषेक सोनी (28), अजीज (46), इकरार (44), मोहम्मद अहमद (50), अवधेश कुमार (35), मोहम्मद अरशद (36), संदीप (23), राजू (39), अरमान (19), मोहम्मद नदीम (30), सिराजुल हसन (24) और सलमान (29) के रूप में हुई है। ये सभी लखनऊ और आसपास के विभिन्न इलाकों के निवासी बताए जा रहे हैं।मौके से हुई बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के आधार पर थाना मड़ियांव में मुकदमा संख्या 566/25 धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि सभी अभियुक्तों को उनके अपराध से अवगत कराते हुए रात करीब 11:55 बजे हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी की पूरी कार्रवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन किया गया।पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य थानों और जनपदों से जुटा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस कार्रवाई से स्थानीय क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। लोग इसे पुलिस की सक्रियता का नतीजा बता रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई से आपराधिक प्रवृत्तियों पर अंकुश लगेगा।

लखनऊ पुलिस की कार्रवाई : नौ वांछित गिरफ्तार, बीकेटी सड़क हादसे में युवक की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने अपराध नियंत्रण और वांछितों की गिरफ्तारी के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल नौ वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। वहीं, उत्तरी जोन के बीकेटी थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जिसके बाद पुलिस ने फरार वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गुडम्बा थाना क्षेत्र में पंजीकृत मुकदमा संख्या 384/2025 धारा 103(1)/109(1) बीएनएस से जुड़े अभियुक्त अंकुल लोधी को पुलिस ने दबोच लिया। इसी तरह काकोरी थाना पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए एक ही रात में सात वांछित अभियुक्तों को पकड़ा। इन अभियुक्तों पर कई संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज थे। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में विनोद वर्मा, इन्दल, रामखेलावन, धनेश पासी, मनोहर उर्फ दिनेश, नरेश और विमल शामिल हैं। ये सभी अभियुक्त अलग-अलग मुकदमों में लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहे थे।इसी क्रम में मलिहाबाद थाना पुलिस ने भी सक्रियता दिखाते हुए मुकदमा संख्या 403/2024 धारा 303(2) बीएनएस में वांछित बिल्लू उर्फ कदीर को गिरफ्तार कर लिया। इस तरह एक ही रात में पुलिस ने कुल नौ वांछित अपराधियों को पकड़कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की।इधर, उत्तरी जोन के बीकेटी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। बाबापुरवा निवासी रानी पत्नी स्वर्गीय ललित ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 17 सितम्बर की शाम करीब सात बजकर तीस मिनट पर उनके पति ललित पासी मोटरसाइकिल संख्या यूपी 32 एचबी 5476 से काम से लौट रहे थे।

लखनऊ में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, सड़क हादसे और नदी में छलांग से मचा हड़कंप

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने अपराध नियंत्रण की दिशा में बड़ी कार्रवाई करते हुए विभिन्न थाना क्षेत्रों से नौ वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गुडम्बा, काकोरी और मलिहाबाद थाने की पुलिस टीमों ने देर रात दबिश देकर इन आरोपियों को पकड़ा। इनमें हत्या के प्रयास और गंभीर धाराओं में नामजद आरोपी शामिल हैं। गुडम्बा थाना क्षेत्र से एक, काकोरी से सात और मलिहाबाद से एक अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़ा। पुलिस का कहना है कि इस अभियान से अपराधियों में खौफ है और आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी।इस बीच बीकेटी क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसे की खबर आई। बाबापुरवा निवासी रानी ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उनके पति ललित पासी बुधवार शाम मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। नंदना कट के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

» मानसिक रूप से थी बीमार , भाई ने गुरुवार की शाम पहुंचाया था अस्पताल, डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कस्बा गोसाईंगंज में रहने वाली एक मानसिक तौर पर बीमार महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। भाई ने बहन को बीमार समझ कर अस्पताल ले गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

इंस्पेक्टर गोसाईंगंज ब्रिजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कस्बा गोसाईंगंज की रहने वाली पूर्व शिक्षिका किरण गुप्ता मानसिक रूप से बीमार थी। गुरुवार की रात वह भाई आनंद द्वारा मरणासन्न स्थिति में सीएचसी गोसाईंगंज ले जाई गई।

जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि वह मानसिक तौर पर बीमार होने के कारण आये दिन कस्बे में घूमा करती थी। शनिवार की सुबह भी वह कस्बा में देखी गई लेकिन शाम को आचानक उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि किसी के द्वारा कोई लिखित शिकायत नही की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाई की जाएगी। वही महिला की मौत पर विसरा प्रजर्व किया गया है।

ठाकुरगंज पुलिस ने पकड़े शातिर चोर, चोरी का लैपटॉप और 20 हजार रुपये नकद बरामद

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में पुलिस टीम ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इनके पास से चोरी किया गया डेल कंपनी का लैपटॉप, 20,090 रुपये नकद और मोबाइल की एसेसरीज़ बरामद की हैं। यह गिरफ्तारी उस मामले से जुड़ी है, जिसमें बीते 14 सितंबर को फरियादी मोहम्मद सुहैब ने थाना ठाकुरगंज में तहरीर देकर बताया था कि उनकी दुकान का ताला तोड़कर तीन सितंबर की रात करीब दो बजे अज्ञात चोरों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया था। चोर दुकान से ग्राहकों के 16 मोबाइल फोन, 15 नए मोबाइल फोन, डीसी मशीन, माइक्रोस्कोप, लैपटॉप और नगदी समेत अन्य सामान उठा ले गए थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ लगातार सुरागरसी की।

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब लखनऊ में सरकारी, अर्द्धसरकारी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को दक्ष और सक्षम बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू के संरक्षण और अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्गदर्शन में 15 से 19 सितंबर तक कई विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित हुए। इनमें मत्स्य पालकों के लिए राज्य स्तरीय तीन दिवसीय आवासीय बीआईओएलओसी-मत्स्य पालन कार्यक्रम, कस्तूरबा गांधी विद्यालयों की वार्डेन हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अधिकारियों के लिए अग्नि आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल रहे।17 सितंबर को मत्स्य पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर बुद्धा सभागार में विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर समस्त प्रशिक्षणों के प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया, जहां विषय-विशेषज्ञों ने प्रासंगिक मुद्दों पर उपयोगी व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानिदेशक संस्थान एल. वेंकटेश्वर लू ने की, जबकि विशिष्ट अतिथियों में भारत चरित्र निर्माण संस्थान नई दिल्ली के संस्थापक अध्यक्ष राम कृष्ण गोस्वामी, प्रख्यात शिक्षाविद एवं पूर्व वरिष्ठ सदस्य लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश डॉ. किशन वीर सिंह शाक्य तथा पूर्व संयुक्त निदेशक एवं राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर उमेश चंद्र जोशी उपस्थित रहे।राम कृष्ण गोस्वामी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के जीवन से प्रेरणा लेकर कर्मयोगी बनने का आह्वान किया। डॉ. किशन वीर सिंह शाक्य ने प्रशिक्षकों के लिए सॉफ्ट स्किल, नेतृत्व क्षमता और टीम बिल्डिंग की भावना को आवश्यक बताया और कहा कि निष्ठापूर्वक व ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारी सुखमय जीवन जीते हैं। वहीं, उमेश चंद्र जोशी ने कहा कि प्रशिक्षण केवल ज्ञान और कौशल ही नहीं बढ़ाता बल्कि सकारात्मक और रचनात्मक सोच भी विकसित करता है।अध्यक्षीय संबोधन में महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं पर गर्व होना चाहिए। अच्छे कर्मयोगी वही हैं जो अपने पद की जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और लगन से निभाते हैं।कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवीन कुमार सिन्हा ने किया। आयोजन में डॉ. नीरजा गुप्ता, सरिता गुप्ता, आर.के. मल्ल, डॉ. राज किशोर यादव, डॉ. सत्येंद्र कुमार गुप्ता, संजय कुमार, डॉ. वरुण चतुर्वेदी, मोहित यादव, धर्मेंद्र कुमार, आपदा प्रबंधन सलाहकार कुमार दीपक, उपेंद्र कुमार दूबे, मोहम्मद शहंशाह और मोहम्मद शाहरूख का सराहनीय योगदान रहा।

जनांदोलनों पर लगाम लगाने की तैयारी

गृहमंत्री होने के नाते श्री शाह की जिम्मेदारी है कि वे देश की आंतरिक सुरक्षा के हर पहलू पर बारीकी से काम करें और अपने अधीन आने वाली पुलिस को काम सौंपे। लेकिन आंदोलनों के अध्ययन की जरूरत आखिर क्यों पड़ रही है। क्या अमित शाह इस अध्ययन के आधार पर अब ऐसा कोई कानून बनाने की राह पर हैं जिसमें आंदोलन करना ही गैरकानूनी बन जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) को निर्देश दिया है कि वह आज़ादी के बाद देश में हुए सभी आंदोलनों, खासतौर पर 1974 के बाद हुए आंदोलनों के 'वित्तीय पहलुओं', नतीजों और 'पर्दे के पीछे सक्रिय ताक़तों' की जांच कर एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) तैयार करे, ताकि भविष्य में 'निहित स्वार्थों द्वारा कराए जाने वाले बड़े आंदोलनों' को रोका जा सके। शब्दों पर गौर फरमाएं, वित्तीय पहलू, यानी आंदोलनों का खर्च कहां से पूरा होता है, कौन लोग हैं, जो आंदोलनकारियों को आर्थिक सहायता मुहैया कराते हैं। नतीजों यानी किसी भी आंदोलन का आखिरी असर क्या हुआ। जैसे जे पी आंदोलन का नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस के विरोधियों को गठजोड़ कर सत्ता में आने का मौका मिला। अन्ना आंदोलन का नतीजा यूपीए सरकार के पराभव के तौर पर सामने आया। इसके बाद मोदी सरकार आ गई और इसमें शाहीन बाग या किसान आंदोलन हुए, लेकिन उनका कोई नतीजा नहीं निकला। किसान आंदोलन के बाद जरूर तीनों कृषि कानून वापस हुए, लेकिन इसमें किसानों से किए वादे अब तक पूरे नहीं हुए, लिहाजा इन्हें बेनतीजा ही माना जाए। इसके अलावा भी जो विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं, उन पर पुलिस के डंडे और आंसू गैस किस तरह बरसते हैं इन्हें देश लगातार देख रहा है। यानी अमित शाह अपनी सरकार आने के पहले हुए आंदोलनों के नतीजे ही समझना चाह रहे होंगे। इस अध्ययन में पर्दे के पीछे सक्रिय ताकतों की जांच का भी उल्लेख है। सीधे शब्दों में कहें तो साजिशकर्ता की शिनाख्त सरकार करना चाहती है। मोदी-शाह की नज़र में शायद जनांदोलन लोकतंत्र की पहचान नहीं, बल्कि सत्ता के खिलाफ साजिश ही हैं। न जाने इस सरकार को किसका डर है, जो हमेशा यही सोचती रहती है कि उसके खिलाफ साजिश हो रही है। राहुल गांधी दो-तीन का अवकाश लेने विदेश जाते हैं, तो उसमें उसे साजिश दिखती है। कांग्रेस सरकार के किसी फैसले की पड़ताल करे, कोई शोध करे तो उसमें भी उसे साजिश दिखती है। इन साजिशों के तार अक्सर अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से जोड़ दिए जाते हैं, जो दुनिया भर में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए संस्थाओं को वित्तीय सहायता देते हैं। शाहीन बाग, किसान आंदोलन, भारत जोड़ो यात्रा हर जगह भाजपा या उसके समर्थकों ने जॉर्ज सोरोस एंगल ढूंढ ही लिया था। बहरहाल, इस अध्ययन में जॉर्ज सोरोस को प्रत्यक्ष तौर पर कोई विषय नहीं बनाया गया है, लेकिन पर्दे के पीछे कहने का अर्थ यही है कि सरकार मानकर चल रही है जनांदोलन स्वतः स्फूर्त नहीं होते हैं। इस अध्ययन के बाद एक प्रक्रिया तैयार होगी, जो भविष्य में बड़े आंदोलनों को रोकेगी। अगर ऐसा कोई अध्ययन रूस, चीन, उ.कोरिया, सऊदी अरब, इजरायल आदि में होता तो आश्चर्य नहीं होता। लेकिन भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में क्या लोकतंत्र के मायने बदलने की पूरी तैयारी की जा रही है। अब तक मीडिया तो पूरी तरह सरकार का भोंपू बन ही गया है। सूचना का अधिकार कानून इतना कमजोर हो चुका है कि जनता अब सही सूचना की हकदार नहीं रह गई है। सरकार पर सवाल उठाने वालों को या तो बिना जमानत दिए बरसों की हिरासत में रखा जा रहा है या अन्य तरीकों से उनका मुंह बंद करवाया जा रहा है। लोगों तक सही जानकारी बमुश्किल पहुंच रही है, क्योंकि नयी तकनीकी से फर्जी खबरों और वीडियों की भरमार हो चुकी है। ये हालात लोकतंत्र के लिए भले नुकसानदायक हों, सत्ता के लिए तो मुफीद हैं, फिर भी सरकार को आंदोलन से डर क्यों लग रहा है, यह सोचने वाली बात है। अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस की एक खबर के मुताबिक श्री शाह ने आंदोलन के अध्ययन के यह निर्देश जुलाई में इंटेलिजेंस ब्यूरो द्वारा आयोजित दो दिवसीय नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजीज कॉन्फ्रेंस-2025 में दिए थे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से इंडियन एक्सप्रेस ने लिखा है, 'बीपीआरडी को खास तौर पर यह जांचने के लिए कहा गया है कि इन आंदोलनों के पीछे कारण क्या थे, उनका पैटर्न कैसा रहा और उनके नतीजे क्या निकले। साथ ही यह भी देखा जाए कि इन विरोधों के पीछे कौन-कौन से और किस तरह के लोग सक्रिय थे। गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाला बीपीआरडी इस दिशा में एक समिति बनाने की प्रक्रिया में है। यह समिति पुराने केस फाइलों के लिए राज्यों की पुलिस विभागों और उनकी अपराध जांच शाखाओं (सीआईडी) से तालमेल बिठाएगी।

विकास की विचारधारा : 'संघ परिवार' का संकट

जापान को पीछे छोड़कर भारत के चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग तीन हजार डॉलर के आसपास है, जबकि जापान जैसे देशों में यह दस गुना अधिक है।

अरुण कुमार डनायक

'संघ परिवार' की वैचारिक उलझनें यहीं खत्म नहीं होतीं। जब भाजपा बनी तो अटल बिहारी वाजपेयी ने 'गांधीवादी समाजवाद' को उसकी नीति बताया। यह स्वयं एक विरोधाभास था क्योंकि गांधी का समाजवाद विकेंद्रीकृत, ग्राम-आधारित व्यवस्था चाहता था, जबकि भाजपा का व्यावहारिक रुख केंद्रीकृत सत्ता और पूंजीवाद समर्थित औद्योगिकीकरण की ओर रहा। जनता को यह पाखंड कभी नहीं भाया और पार्टी अंततः हिंदुत्व की ओर लौट गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर दिल्ली में अगस्त 2025 में संघ की आर्थिक इकाइयों की बंद कमरे में बैठक हुई जिसमें संघ से जुड़ी छह संस्थाओं - 'भारतीय मज़दूर संघ,' 'भारतीय किसान संघ,' 'सहकार भारती,' 'ग्राहक पंचायत,' 'स्वदेशी जागरण मंच' और 'लघु उद्योग भारती' - के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस बैठक में 91 वर्ष के डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने जिस ऊर्जा और स्पष्टता के साथ आर्थिक और सामाजिक प्रश्नों पर चर्चा की उसने सबको चौंका दिया। भारतीय भोजन

भौतकी के प्राध्यापक रहे डॉ. जोशी का मानना है कि आर्थिक विकास को केवल आय या 'सकल घरेलू उत्पाद' (जीडीपी) के आधार पर नहीं आंका जा सकता। उन्होंने 'नोबल पुरुस्कार' विजेता डॉ. अमर्त्य सेन के हवाले से कहा कि यदि राष्ट्र की सफलता केवल उत्पादन और उपभोग पर निर्भर मानी जाएगी तो कल्याण, समानता और आध्यात्मिक दृष्टिकोण जैसे मूल प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। उन्होंने 'डीग्रोथ' का विचार रखा, जिसका उद्देश्य विकास की अंधी दौड़ रोककर समाज को सादगी, साझेदारी और सामूहिक संसाधनों की रक्षा पर आधारित करना है। उनके अनुसार भारत में आय-असमानता गहराती जा रही है - सन् 2021 में 65 प्रतिशत संपत्ति केवल 10 प्रतिशत लोगों के हाथों में थी।

जापान को पीछे छोड़कर भारत के चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग तीन हजार डॉलर के आसपास है, जबकि जापान जैसे देशों में यह दस गुना अधिक है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि हम केवल सड़कों का चौड़ीकरण करते जाएं और उनकी स्थिरता की चिंता न करें, तो हिमालयी क्षेत्रों में लगातार आपदाएं आती रहेंगी। यही स्थिति महाविद्यालयों में घटते नामांकन, जलवायु-परिवर्तन की चुनौतियों, नशाखोरी के प्रसार और आत्महत्याओं की बढ़ती घटनाओं में भी झलकती है। डॉ. जोशी ने दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' का भी उल्लेख किया, किंतु प्रश्न यह है कि क्या यह अवधारणा आज की जटिल अर्थव्यवस्था और वैश्विक पूंजी के युग में कोई ठोस समाधान देती है? उपाध्याय ने विदेशी राष्ट्रों पर अत्यधिक निर्भरता की आलोचना की थी और आत्मनिर्भरता, कृषि और स्वदेशी उद्योगों की रक्षा पर बल दिया था, पर उनकी अवधारणा अंततः नैतिक उपदेशों तक ही सीमित रही। आर्थिक नीतियों में उनकी कोई ठोस रूपरेखा सामने नहीं आई। यही कारण है कि भाजपा और 'संघ परिवार' आज तक अपने आर्थिक दर्शन को साफ-साफ परिभाषित नहीं कर पाए हैं।

स्वदेशी को लेकर एक गहरी विडंबना है। सन् 1905 में 'बंग-भंग आन्दोलन' के समय शुरू हुए 'स्वदेशी आन्दोलन' और फिर महात्मा गांधी के स्वदेशी आह्वान ने भारतीयों को गहराई से प्रभावित किया था, किंतु बाद के संघ-प्रायोजित 'स्वदेशी आन्दोलन' और आज मोदी सरकार की अपीलें जनता को उतना आकर्षित नहीं कर सकीं। इसका कारण यह है कि महात्मा गांधी ने स्वदेशी को केवल नारा नहीं बनाया, बल्कि स्वयं अपने जीवन में उसे अपनाया। उन्होंने स्वदेशी के आर्थिक पक्ष को चरखे और खादी के माध्यम से समझाया, गरीबी दूर करने का उपाय माना और इसके धार्मिक-नैतिक पक्ष पर भी बल दिया। उनके लिए स्वदेशी केवल विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार तक सीमित नहीं था, बल्कि आत्मनिर्भरता और नैतिकता का प्रश्न था। गांधी का यही सजीव प्रयोग स्वदेशी को जनांदोलन बना सका, जबकि संघ और भाजपा की स्वदेशी आज भी केवल भाषणों तक सीमित है। 'संघ परिवार' की वैचारिक उलझनें यहीं खत्म नहीं होतीं। जब भाजपा बनी तो अटल बिहारी वाजपेयी ने 'गांधीवादी समाजवाद' को उसकी नीति बताया। यह स्वयं एक विरोधाभास था क्योंकि गांधी का समाजवाद विकेंद्रीकृत, ग्राम-आधारित व्यवस्था चाहता था, जबकि भाजपा का व्यावहारिक रुख केंद्रीकृत सत्ता और पूंजीवाद समर्थित औद्योगिकीकरण की ओर रहा। जनता को यह पाखंड कभी नहीं भाया और पार्टी अंततः हिंदुत्व की ओर लौट गई। नरेंद्र मोदी भी अक्सर राममनोहर लोहिया का उल्लेख करते हैं और उनके आर्थिक दृष्टिकोण की प्रशंसा भी करते हैं, किंतु उनकी सरकार की नीतियां बड़े कॉर्पोरेट घरानों को लाभ पहुंचाती हैं। इससे यह साफ है कि भाजपा और संघ का वैचारिक रुख अवसरानुसार बदलता रहता है। डॉ. अमर्त्य सेन का दृष्टिकोण यहां उल्लेखनीय है। उन्हें अक्सर वामपंथी कहा जाता है, किंतु वे साम्यवादी नहीं हैं। समाजवाद, साम्यवाद और मार्क्सवाद वामपंथ की विभिन्न धाराएँ हैं और सेन इनमें से किसी एक में फिट नहीं होते। उन्होंने अनेक पुस्तकें लिखते हुए कहा है कि भारत ने आर्थिक वृद्धि तो हासिल की है, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उसकी उपलब्धियां बेहद सीमित रही हैं। अमीर-गरीब की खाई, लैंगिक असमानता और बुनियादी सेवाओं की कमी भारत की बड़ी बाधाएं हैं। यदि लोकतंत्र को सार्थक बनाना है तो राज्य को कल्याणकारी ढांचे को मजबूत कर समान अवसर और सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। नेहरू की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा था कि भारत में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा तो मिला, पर प्राथमिक शिक्षा की उपेक्षा हुई। यही कारण है कि भारत में गरीबी और असमानता गहराती रही। इस दृष्टि से सेन का दृष्टिकोण किसी विचारधारा की जड़ता से मुक्त, व्यवहारिक और मानवीय है। भारतीय भोजन यही बात हिंदुत्व के आर्थिक-सामाजिक दर्शन के पुरोधा रहे डॉ. जोशी भी कह रहे थे - कि यदि हम केवल वृद्धि के आंकड़े गिनते रहें तो समाज की आत्मा खो जाएगी। उन्होंने नशाखोरी, आत्महत्या और बेरोजगारी के आंकड़ों का उल्लेख कर बताया कि विकास के इस मॉडल ने युवाओं को निराशा के सिवा कुछ नहीं दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' आने वाले समय में असमानता को और बढ़ा देगा।

इस पूरी चर्चा से एक तथ्य स्पष्ट उभरता है। संघ और भाजपा की राजनीति ने सत्ता तो हासिल कर ली है, पर उन्होंने जनता के सामने कभी कोई ठोस वैकल्पिक आर्थिक मॉडल प्रस्तुत नहीं किया। कभी गांधीवादी समाजवाद, कभी स्वदेशी, कभी हिंदुत्व और कभी लोहियावाद—इन सबको अवसरानुसार ओढ़ते-बिछाते रहे। यही कारण है कि उनकी नीति जनता के मन में स्थायी विश्वास पैदा नहीं कर सकी। आज जब असमानता, जलवायु संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की कमी, युवाओं का मानसिक तनाव और नशाखोरी जैसे मुद्दे सामने हैं, तब केवल हिंदुत्व या आर्थिक वृद्धि का नारा पर्याप्त नहीं है। यदि भाजपा और संघ परिवार वास्तव में राष्ट्र को दिशा देना चाहते हैं, तो उन्हें अमर्त्य सेन जैसे विचारकों की आलोचनात्मक दृष्टि से सीख लेनी होगी और अपने भीतर व्याप्त वैचारिक अस्पष्टता को दूर करना होगा। तभी भारत का विकास कल्याण, समानता और स्वतंत्रता की वास्तविक कसौटियों पर खरा उतर सकेगा।

अजब-गजब

सांप जैसा मुंह, छोटी पूंछ और नीली जीभ, जंगल में दिखा अजीब सा जीव, देखकर लोग हैरान

दुनियाभर के जंगलों में जीव-जंतुओं की अनगिनत प्रजातियां हैं, जिनमें से कईयों के बारे में हम जानते हैं तो कई ऐसी भी प्रजातियां हैं, जिन्हें देखकर लगता है कि ये तो बड़ा ही अजीब जीव है। ऐसे ही एक अजीब से दिखने वाले जीव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस जीव का मुंह सांप जैसा है, पूंछ बेहद छोटी है और सबसे खास बात कि इसकी जीभ नीली है। वीडियो सामने आते ही लोग हैरान-परेशान हो गए हैं और लगातार अनुमान लगाने में लगे हुए हैं कि आखिर ये कौन-सा जीव है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि जंगल में सूखे पत्तों के ऊपर कैसे एक अनोखा जीव बैठा हुआ है। उसका मुंह किसी सांप से मेल खाता है, लेकिन शरीर की बनावट छिपकली जैसी लगती है। फिर जैसे ही कैमरा करीब आता है, वो अचानक अपनी नीली जीभ बाहर निकालता है। इस पल को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स हैरान हैं और किसी ने इसे सांप की प्रजाति बताया है तो किसी का कहना है कि ये छिपकली की कोई दुर्लभ प्रजाति हो सकती है।

इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर @TheeDarkCircle नाम की आईडी से शेयर किया गया है। महज 16 सेकंड के इस वीडियो को अब तक 40 हजार से भी अधिक बार देखा जा चुका है, जबकि सैकड़ों लोगों ने वीडियो को लाइक भी किया है और तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी दी हैं।

वीडियो देख एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा है, 'अगर ये रात में दिख जाए तो हार्ट अटैक आ सकता है', तो वहीं एक अन्य यूजर ने कहा, 'प्रकृति में कितनी अद्भुत चीजें छिपी हैं, जिन्हें देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है'। जानकारी के मुताबिक, अजीब का दिखने वाला ये जीव ब्लू-टंग स्किंक नाम की छिपकली है, जो ऑस्ट्रेलिया और एशिया के कुछ हिस्सों में पाई जाती है। इसकी सबसे खास पहचान है इसकी चमकीली नीली जीभ, जिसे यह खतरा महसूस होने पर बाहर निकालकर दुश्मन को डराने की कोशिश करती है। दूर से देखने पर ये सांप जैसा लगती है, लेकिन असलियत में ये छिपकली की एक प्रजाति है। इसकी पूंछ छोटी और शरीर भारी-भरकम होता है।

ब्लॉग

सीजेआई ने हिंदू आस्था का अपमान किया या उनकी टिप्पणी को संदर्भ से हटा कर पेश किया गया?

नीरज कुमार दुबे

भारत जैसे लोकतांत्रिक और विविधतापूर्ण समाज में न्यायपालिका को सबसे सम्मानित संस्था माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की हर टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। मगर हाल ही में प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा भगवान विष्णु के संदर्भ में की गई टिप्पणी को लेकर जो विवाद खड़ा हुआ है, उसने न्यायपालिका और आस्था के बीच संतुलन की संवेदनशील बहस को जन्म दे दिया है।

हम आपको बता दें कि प्रधान न्यायाधीश ने एक मामले की सुनवाई के दौरान भगवान विष्णु को लेकर ऐसा संदर्भ दिया जिसे कई धार्मिक संगठनों और संतों ने अनुचित ठहराया है। उनका तर्क है कि सर्वोच्च न्यायालय जैसी संस्था से इस तरह की टिप्पणी लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचा सकती है। दूसरी ओर, कुछ लोग इसे न्यायिक विमर्श के दौरान कही गई एक सामान्य टिप्पणी मानते हैं, जिसका उद्देश्य किसी की आस्था का अपमान करना नहीं था।

पूरे प्रकरण पर नजर डालें तो सामने आता है कि सुप्रीम कोर्ट ने यूनेस्को की विश्व विरासतों में शुमार मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो मंदिर के परिसर में मौजूद जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची प्रतिमा को पुनः स्थापित करने के अनुरोध से जुड़ी एक याचिका मंगलवार को खारिज करते हुए कहा कि यह चर्चा में आने के लिए दायर की गई है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्र ने राकेश दलाल नामक व्यक्ति की याचिका पर विचार करने से इंकार कर दिया, जिसमें छतरपुर जिले के जावरी मंदिर में क्षतिग्रस्त मूर्ति को बदलने और उसकी प्राण प्रतिष्ठा कराने का अनुरोध किया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ₹यह पूरी तरह से प्रचार पाने के लिए दायर याचिका है... जाकर स्वयं भगवान से कुछ करने के लिए कहिए। अगर आप कह रहे हैं कि आप भगवान विष्णु के प्रति गहरी आस्था रखते हैं, तो प्रार्थना करें और थोड़ा ध्यान लगाएं।₹ याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मूर्ति का सिर जीर्ण-शीर्ण हो चुका है और इसके पुनर्निर्माण की अनुमति देने के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना चाहिए। परन्तु पीठ ने कहा कि यह मुद्दा पूरी तरह से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार क्षेत्र में आता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ₹यह (मूर्ति) पुरातात्विक खुदाई में मिली थी, एएसआई ऐसा करने (मूर्ति को ठीक करने) की अनुमति देगा या नहीं... इसको लेकर कई मुद्दे हैं।₹ प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "इस बीच, अगर आप चाहें तो वहां जाकर पूजा कर सकते हैं... वहां एक बहुत बड़ा शिवलिंग है, जो खजुराहो में सबसे बड़े शिवलिंगों में से एक है।" राकेश दलाल की याचिका में मूर्ति को बदलने या पुनर्निर्माण के लिए निर्देश देने का अनुरोध करते हुए यह भी कहा गया था कि केंद्रीय गृह मंत्रालय और एएसआई को कई बार ज्ञापन सौंपा जा चुका है।

दूसरी ओर, प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी को लेकर हो रहे विवाद के बाद कुछ राजनीतिक दल भी इसमें कूद पड़े हैं। टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर यह मुद्दा तेजी से बहस का विषय बना हुआ है। यहाँ एक गंभीर सवाल उठता है— क्या न्यायपालिका की किसी टिप्पणी को हमेशा धार्मिक और राजनीतिक चश्मे से देखा जाना चाहिए? या फिर हमें यह समझना चाहिए कि अदालत में कही गई बातें अक्सर संदर्भ-विशेष में होती हैं और उनका सीधा उद्देश्य धार्मिक मान्यताओं को चुनौती देना नहीं होता।

देखा जाये तो भारत का संविधान धर्मनिरपेक्षता का पक्षधर है। इसका अर्थ यह है कि राज्य और उसकी संस्थाएँ किसी विशेष धर्म का पक्ष नहीं ले सकतीं, परंतु साथ ही यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे लोगों की आस्था और भावनाओं का सम्मान करें।

देखा जाये तो भारत का संविधान धर्मनिरपेक्षता का पक्षधर है। इसका अर्थ यह है कि राज्य और उसकी संस्थाएँ किसी विशेष धर्म का पक्ष नहीं ले सकतीं, परंतु साथ ही यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे लोगों की आस्था और भावनाओं का सम्मान करें। न्यायपालिका को विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है क्योंकि उसका हर शब्द नजीर बन सकता है। प्रधान न्यायाधीश जैसे पद से जुड़ी जिम्मेदारी और भी बड़ी होती है। इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि उनके कथन सदैव संतुलित, शालीन और विवाद से परे हों।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि आज के दौर में मीडिया और सोशल मीडिया किसी भी टिप्पणी को तत्काल वायरल कर देते हैं। इससे बात का संदर्भ खो जाता है और केवल विवाद ही उभर कर सामने आता है। यही स्थिति इस प्रसंग में भी देखने को मिल रही है। वास्तविक सवाल यह है कि क्या इस बहस से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुँच रही है और क्या जनता का ध्यान उन मूलभूत मुद्दों से हट रहा है जिन पर न्यायालयों को ध्यान केंद्रित करना चाहिए— जैसे न्याय में देरी, लंबित मामलों का बोझ और न्यायिक सुधार।

देखा जाये तो विवाद के इस दौर में संतुलन की आवश्यकता है। न्यायपालिका को चाहिए कि धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों का उल्लेख करते समय अत्यधिक सावधानी बरते। वहीं राजनीतिक दलों को चाहिए कि न्यायिक टिप्पणियों को राजनीति का हथियार न बनाएँ। साथ ही जनता और मीडिया को चाहिए कि संदर्भ को समझें और अनावश्यक उत्तेजना फैलाने से बचें। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सहनशीलता में है। यदि न्यायपालिका और समाज इस संतुलन को बनाए रखेंगे तो लोकतंत्र और मजबूत होगा।

बहरहाल, प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी को लेकर उठा विवाद इस बात की याद दिलाता है कि आस्था और कानून के बीच की रेखा कितनी संवेदनशील है। न्यायपालिका से लोगों की उम्मीद केवल न्याय तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह उनकी सांस्कृतिक भावनाओं के सम्मान से भी जुड़ी होती है। इसलिए आगे की राह यही होनी चाहिए कि संस्थाएँ और समाज दोनों परिपक्वता दिखाएँ। भारत के लोकतंत्र की नींव विश्वास और गरिमा पर टिकी है। यह विवाद अगर हमें इस संतुलन को और गहराई से समझने का अवसर देता है, तो इसे सकारात्मक सीख में बदला जा सकता है।

एक ACP से रिटायर तो दूसरा बना इंस्पेक्टर

पिता की मौत पर आश्रित कोटे से दो भाइयों ने पाई नौकरी, खुल गई पोल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक ही परिवार के दो भाइयों ने अपने पिता की मृत्यु के बाद मृतक आश्रित कोटे से पुलिस में नौकरी हासिल कर ली। जबकि नियमों के अनुसार, मृतक आश्रित कोटे में परिवार के सिर्फ एक सदस्य को नौकरी मिल सकती है। नौकरी पाने वाले सदस्य के पक्ष में परिवार के अन्य सदस्यों की 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) भी जरूरी होती है।

मामले में पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने बताया कि नागमेंद्र लांबा के रिटायर होने से पहले एक शिकायत मिली थी। शिकायत में बताया गया कि नागमेंद्र और योगेंद्र सगे भाई हैं और दोनों को मृतक आश्रित कोटे से पुलिस में नौकरी मिली है। जांच में सामने आया कि नागमेंद्र लांबा की नौकरी उनके पिता की मृत्यु के बाद 'मृतक आश्रित' कोटे से लगी थी। जबकि, इसके छह साल बाद उनके छोटे भाई योगेंद्र लांबा ने भी इसी कोटे से पुलिस में भर्ती होने का दावा किया।

मामले सामने आने के बाद बड़े भाई, नागमेंद्र लांबा, जो एक एसीपी (सहायक पुलिस आयुक्त) थे, हाल ही में रिटायर हुए हैं। उनकी पेंशन और अन्य सभी सेवानिवृत्ति भुगतान रोक दिए गए हैं। जबकि, छोटे भाई योगेंद्र लांबा, एक इंस्पेक्टर हैं, पर भी फर्जीवाड़े का आरोप है उनकी बर्खास्तगी की प्रक्रिया चल रही है।

जांच में क्या सामने आया?

इस मामले की शुरुआती जांच डीसीपी ट्रैफिक अभिषेक अग्रवाल ने की। जांच में पता चला कि योगेंद्र लांबा की भर्ती फर्जी तरीके से हुई थी। नियमों के अनुसार, मृतक आश्रित कोटे में परिवार के सिर्फ एक सदस्य को नौकरी मिल सकती है। नौकरी पाने वाले सदस्य के पक्ष में परिवार के अन्य सदस्यों की 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) भी जरूरी होती है। इसमें परिवार के सभी सदस्य पुलिस अधिकारियों के सामने पेश होते हैं। डीसीपी ने पाया कि योगेंद्र लांबा ने इस प्रक्रिया में धोखाधड़ी की है। नागमेंद्र लांबा ने अपने बयान में कहा है कि वह अपने भाई से अलग रहते थे और उन्हें पता नहीं था कि योगेंद्र ने कैसे नौकरी हासिल की।

आगे की कार्रवाई

पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने बताया है कि विभागीय जांच पूरी होने के बाद योगेंद्र लांबा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा और उन्हें बर्खास्त किया जाएगा। इसके अलावा, उनसे और उनके भाई नागमेंद्र से अब तक लिया गया पूरा वेतन वापस लिया जाएगा। इस मामले में भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्रवाई हो सकती है। नागमेंद्र लांबा की पेंशन और भुगतान फिलहाल रोक दिए गए हैं।

एलबीएस में छात्राओं को दी गयी विधिक व स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी

आर्यावर्त संवाददाता

गोण्डा। नगर मुख्यालय स्थित श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं एवं महिलाओं को हिंसा से बचाव, कानूनी सहायता और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना था। इस अवसर पर हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बृजलाल तिवारी ने उपस्थित छात्राओं को महिलाओं के अधिकारों और उन्हें मिलने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी भी प्रकार की हिंसा का सामना करने पर बिना संकोच सहायता प्राप्त कर सकती हैं। वन स्टॉप सेंटर की सेंटर मैनेजर चेतना सिंह ने कहा कि केंद्र महिलाओं को एक ही छत के नीचे परामर्श, आश्रय, पुलिस, चिकित्सीय तथा विधिक सहायता उपलब्ध कराता है। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे खुद भी जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि छात्राओं को चाहिए कि वे किसी भी समस्या को दबाने के बजाय खुलकर उसकी जानकारी दें। उन्होंने सभी से अपील की कि वे समाज की अन्य महिलाओं तक भी इस जानकारी को पहुँचाएँ, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो सकें। वहीं डॉ. अभिलाषा मिश्रा ने छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य के महत्व पर जागरूक किया। उन्होंने स्वच्छता का पालन न करने से होने वाली बीमारियों की जानकारी दी और सुरक्षित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य नियंता डॉ. चमन कौर ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरान निधि त्रिपाठी, कंचन, डॉ. चमन कौर सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

गन्ना समिति गोण्डा मे सर्वे/ सट्टा प्रदर्शन मेला शुरू

अलावल देवरिया (गोण्डा)। सहकारी गन्ना विकास समिति गोण्डा मे दिनांक 19/9/25 दिन शुक्रवार से प्रारम्भ होने वाले समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेले का उद्घाटन सहकारी गन्ना समिति गोण्डा के अध्यक्ष भारत सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गोण्डा, सचिव स०ग०वि०स०, गोण्डा तथा चीनी मिल कुन्दरखी के डी.जी.एम.,चीनी मिल मनकापुर,चीनी मिल मैज़ापुर, चीनी मिल बलरामपुर के कर्मचारियों के साथ तथा समस्त राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक एवं समिति कर्मचारी उपस्थित रहे।

'दूसरी राधा' से साइबर ठगी, पूर्व आईजी डीके पांडा के खाते से 4 .32 लाख रुपए गायब, बोले- बैंक से आया था फोन, फिर...

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। श्री कृष्ण को अपना प्रेमी बताने वाली प्रयागराज की 'दूसरी राधा' पूर्व आईजी डीके पांडा साइबर ठगों के जाल में फंस गए। साइबर ठगों ने उन्हें अपने जाल में ऐसा फसाया की उनका खाता ही खाली कर दिया। व्हाट्सएप पर भेजे गए लिंक को क्लिक करने के बाद उनके खाते से 4 लाख 32 हजार रुपये उड़ा लिए गए। घटना 9 सितंबर की बताई जा रही है। पीड़ित पांडा की तहरीर पर 15 सितंबर को धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

प्रयागराज के एडीए कॉलोनी प्रीतमनगर में रह रहे डीके पांडा ने घटना के बारे में बताया कि वह इंडियन बैंक मुंडेरा शाखा का टोल-फ्री नंबर इंटरनेट पर सर्च कर रहे थे। तभी उनके पास राहुल कुमार नाम के व्यक्ति का कॉल आया। उसने खुद को बैंककर्मी बताते हुए मदद करने का भरोसा दिलाया और व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा। इस बार लिंक खोलने के बाद कॉलर ने उन्हें घंटों तक बातचीत में उलझाए रखा और इसी दौरान उनके यूको बैंक सेविंग्स खाते से चार ट्रांजेक्शन में कुल 4।32 लाख रुपये निकाल लिए।

पूर्व।G से 4 लाख की ठगी

इनमें 1,95,023 रुपये, 95,008 रुपये, 98,000 रुपये और 44,012 रुपये शामिल हैं। पांडा ने अगले दिन यानी 10 सितंबर को साइबर क्राइम सेल में शिकायत दी थी, लेकिन एफआईआर 15 सितंबर को धूमनगंज थाने में दर्ज की गई। मामले की जांच इंस्पेक्टर सुरेंद्र पाल सिंह को सौंपी गई है। पांडा ने ठग का मोबाइल नंबर भी पुलिस को उपलब्ध कराया है। धूमनगंज थाने के प्रभारी अमर नाथ राय ने बताया कि यह मामला साइबर फ्रॉड का है।

2005 में छोड़ी थीं नौकरी

पुलिस ठग के मोबाइल नंबर और लिंक की जांच कर रही है। उन्होंने लोगों को सतर्क करते हुए कहा कि अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें और बैंक संबंधी जानकारी केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप से ही प्राप्त करें। मूलरूप से ओडिशा के रहने वाले 1971 बैच के आईपीएस अधिकारी डीके पांडा ने 2005 में नौकरी छोड़कर दूसरी राधा का रूप धारण कर लिया था। बाद में 2015 में वे कृष्णानंद बन गए।

पिछले साल भी साइबर ठगों ने बनाया था शिकार

प्रयागराज के प्रीतम नगर में उनका आवास है जिसे वह राधा कुंज कहते हैं। आपको बता दें कि पांडा पिछले साल भी साइबर ठगी का शिकार हो चुके हैं। तब उन्होंने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 3।81 करोड़ रुपये मुनाफा दिखाकर 8 लाख रुपये टीडीएस देने का दबाव बनाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस बार वह व्हाट्सएप के जरिए ठगे गए।

हाई कोर्ट बेंच के लिए 22 जिलों में एक साथ महाअभियान, पैदल मार्च

मेरठ। पश्चिम उत्तर प्रदेश में हाई कोर्ट बेंच की मांग को लेकर केंद्रीय संघर्ष समिति के बैनर तले शनिवार को पश्चिम के सभी 22 जनपदों में एक साथ आंदोलन होगा। सभी जनपदों में बार न्यायिक कार्य नहीं करेगी। वहां के प्रमुख चौराहों और स्थानों पर धरना प्रदर्शन करेंगी। मेरठ में कचहरी से बेगमपुल तक पैदल मार्च निकाला जाएगा। बेगमपुल पर मानव श्रंखला बनाकर दो घंटे प्रदर्शन किया जाएगा। केंद्रीय संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में दावा किया कि इस पैदल मार्च को सभी का समर्थन मिल रहा है। पैदल मार्च और मानव श्रृंखला में हजारों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर को यदि प्रधानमंत्री मेट्रो ट्रेन का उद्घाटन करने मेरठ आते हैं तो उनसे मिलने का समय मांगा जाएगा। पश्चिम उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट बेंच स्थापना केंद्रीय संघर्ष समिति के चेयरमैन संजय शर्मा, संयोजक राजेंद्र सिंह राणा, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव त्यागी तथा महामंत्री अमित राणा ने मेरठ बार के सभागार में संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता की।

सलवार सूट पहनकर गलियों में घूम रहा था लड़का, दुपट्टे के पीछे लोगों ने देख ली मूंछ, मच गया बवाल

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के मसवानपुर में शुक्रवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब लोगों ने एक संदिग्ध युवक को सलवार-सूट और दुपट्टा ओढ़े हुए देखा। उसकी गतिविधियां स्थानीय लोगों को संदिग्ध लगीं। कुछ युवकों ने उनका पीछा किया और रोककर पूछताछ शुरू की। सलवार-सूट पहने युवक ने चेहरा दुपट्टे से ढका हुआ था। जब लोगों ने उससे चेहरा दिखाने की मांग की तो वह आनाकानी करता रहा। भीड़ के दबाव में जैसे ही उसने दुपट्टा हटाया, सामने मूंछों वाला युवक दिखाई दिया।

चेहरा उजागर होते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। देखते ही देखते करीब 50 से अधिक लोग मौके पर जमा हो गए और युवक की जमकर पिटाई कर दी। गुस्साई भीड़ ने उसे करीब एक किलोमीटर तक गलियों में घुमाया। भीड़ ने युवक को चोर समझ लिया था।

पुलिस युवक को थाने लेकर आई

घटना की सूचना पाकर पुलिस फोर्स तुरंत मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने युवक को भीड़ से छुड़ाकर हिरासत में लिया और थाने ले गई। जांच के दौरान चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। युवक की पहचान नौबस्ता निवासी रवीन्द्र कुमार मौर्या के रूप में हुई। रवीन्द्र का भाई मसवानपुर क्षेत्र में रहता है। पुलिस के मुताबिक, रवीन्द्र को शक था कि उसकी भतीजी के पीछे कोई युवक पड़ा हुआ है और उसी की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए वह महिला के वेश में घूम रहा था। इसी बीच, जब उसकी भतीजी अपने भाई के छोटे बच्चे को स्कूल छोड़कर लौट रही थी, तो उसने देखा कि भीड़ किसी व्यक्ति की पिटाई कर रही है। पास जाकर पता चला कि मार खा रहा व्यक्ति उसका चाचा है। उसने जब भीड़ को रोकने का प्रयास किया तो उसे भी पकड़ लिया गया और संभवतः उसके साथ भी मारपीट की गई।

क्या बोले पुलिस अधिकारी?

पुलिस ने घायल रवीन्द्र की मेडिकल जांच कराई है। साथ ही उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है, जिन्होंने मारपीट की। अपर पुलिस उपायुक्त कपिलदेव सिंह ने कहा कि किसी को भी चोर या संदिग्ध मानकर खुद कार्रवाई करना अनुचित है। सतर्क रहना आवश्यक है, लेकिन कानून को अपने हाथ में लेना गलत है। यदि कहीं संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस त्वरित संज्ञान लेकर निष्पक्ष कार्रवाई करेगी।

युवक ने की गोली मारकर आत्महत्या, चचेरे भाई ने पफंदे पर लटक कर किया जान देने का प्रयास

मेरठ। मेरठ के थाना इंचौली क्षेत्र के जलालपुर गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक युवक ने अपने कमरे में गोली मारकर आत्महत्या कर ली, जबकि उसके चचेरे भाई ने भी उसी दौरान फंदे पर लटककर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों ने पुलिस को सूचित किए बिना मृतक युवक का अंतिम संस्कार कर दिया, वहीं चचेरे भाई को समय रहते बचा लिया गया।

जलालपुर गांव निवासी एक युवक अपने परिजनों के साथ बैठा हुआ था। अचानक वह उठकर अपने कमरे में चला गया और वहां खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर परिजन कमरे की ओर दौड़े। वहां युवक का खून से लथपथ शव देखकर मच गया। परिजनों ने बिना समय गंवाए और पुलिस को सूचना दिए बिना शव को गांव के श्मशान घाट ले जाकर अंतिम संस्कार कर दिया।

इस बीच, कुछ परिजन घर पर ही रुके थे।

रात में आकर पेट्रोल पंप पर चिपका गए अपना QR कोड... मिजोरम पहुंचने लगी पेमेंट, युवकों की करतूत की कैसे खुली पोल?

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में दो युवकों ने पेट्रोल पंप का QR कोड बदलकर ठगी की। जनकपुरी थाना क्षेत्र के देहरादून रोड स्थित गणपति फिलिंग स्टेशन पर दो बाइक सवार युवकों ने QR कोड बदलकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। अगले दिन जब ग्राहकों ने QR कोड स्कैन कर ऑनलाइन पेमेंट की तो पैसे कंपनी के खाते में जाने के बजाय मिजोरम के एक अकाउंट में पहुंचे। पेट्रोल पंप कर्मियों ने जब पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो पता लगा की हेलमेट पहनकर आए एक शख्स ने मशीन पर दूसरा QR कोड लगा दिया था।

आरोपियों ने 17 सितंबर की रात करीब 1 बजे QR कोड बदलने का काम किया। दरअसल, रात को पेट्रोल पंप पर सभी कर्मचारी सो रहे थे। इस बात का फायदा उठाकर दो युवक बाइक से पहुंचे। सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि एक युवक बाइक पर ही चक्कर लगाता रहा, जबकि दूसरा युवक चुपचाप मशीन के पास पहुंचा और वहां चिपके QR कोड को बदलकर अपना QR कोड चिपका दिया। यह सब कुछ मिनटों में हुआ और दोनों मौके से फरार हो गए।

मिजोरम के अकाउंट में जा रही थी पेमेंट

अगले दिन सुबह जब पेट्रोल पंप खुला तो दो ग्राहक पेट्रोल लेने आए। उन्होंने मोबाइल से UPI के जरिए भुगतान किया, लेकिन रकम पंप के अकाउंट में न पहुंचकर किसी अन्य अकाउंट में चली गई। कर्मचारियों ने जब मशीन और रिकॉर्ड खंगाले तो पता चला कि लगभग 2 हजार रुपये की पेमेंट फ्रॉड तरीके से ट्रांसफर हो गई और पैसा किसी मिजोरम के शख्स के अकाउंट में ट्रांसफर हो रहा है।

रात में आकर बदल गए थे QR कोड

पुलिस ने जब मामले की जांच की तो सामने आया कि ग्राहकों की रकम रिंकू कुमार नाम के अकाउंट में जा रही थी, जो मिजोरम का रहने वाला है। शिकायत मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पेट्रोल पंप का सीसीटीवी फुटेज खंगाला। उसमें दोनों आरोपी बाइक से आते हैं और QR कोड बदलकर चले जाते हैं। फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इसके साथ ही साइबर सेल की भी मदद ली जा रही है। ताकि पैसों के लेनदेन को ट्रैक किया जा सके।

शहीद का मूर्ति स्थल बनेगा स्मारक : धनंजय सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि जब हम ठंड की रात में सोते हैं उस समय वह कड़कड़ाती ठंड में देश की सीमा पर अपनी जान की बाजी लगा कर अपने कर्तव्यों को निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राजेश सिंह की शहादत से यह धरती धन्य हो गई है। उन्होंने कहा कि समाज में जिस भी भूमिका में हम कार्य कर रहे हैं और भारत मां की सेवा करने का अवसर मिला है उसे पूरी तन्मयता और क्षमता के साथ करना चाहिए। यह बातें पूर्व सांसद धनंजय सिंह गुरुवार को भकुरा गांव में आयोजित उरी शहीद राजेश सिंह की श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहीं । उन्होंने कहा कि शहीद राजेश सिंह के मूर्ति स्थल को स्मारक के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे श्रद्धांजलि सभा के अलावा गांव के अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम भी वहां पर सम्पन्न हो सकें। सर्व प्रथम मुख्य अतिथि पूर्व , विशिष्ट अतिथि एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु, शहीद के पिता राजेन्द्र सिंह और नन्हे सिंह समेत कई संभ्रांत जनों ने शहीद राजेश सिंह की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सादर नमन किया। जिले के सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के भकुरा गांव के निवासी राजेश सिंह कश्मीर के उरी में देश की रक्षा करते एक आतंकवादी हमले में 18 सितम्बर 2016 को शहीद हो गए थे। गुरुवार को नौवीं पुण्यतिथि पर भकुरा गांव में शहीद की श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत में अतिथियों और शहीद के शहीद के पिता राजेंद्र सिंह, माता प्रभावती सिंह, पत्नी जूली सिंह और बड़े भाई राकेश सिंह पिंटू आदि ने शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर व अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन जौनपुर के पदाधिकारियों ने शहीद राजेश सिंह को सैनिक सम्मान के साथ भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

कौन है शूटर रविंद्र का हमशक्ल? बाइक से बरेली आया और 3 घंटे सोया... दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग केस में 5वीं एंट्री

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग केस में अब पुलिस की जांच का रुख बदल गया है। मुख्य शूटर रविंद्र के एक हमशक्ल की एंट्री ने पूरे मामले को और उलझा दिया है। अब तक पुलिस मानकर चल रही थी कि इस वारदात में सिर्फ चार शूटर शामिल थे, लेकिन नई फुटेज सामने आने के बाद शक गहराता जा रहा है। अब 5वें आरोपी के भी इस साजिश में शामिल होने की बात सामने आ रही है।

दरअसल, पुलिस को जो सीसीटीवी फुटेज मिली है, उसमें दो बाइक एक साथ आती दिख रही हैं। व्हाइट अपाचे बाइक पर अरुण नीली शर्ट पहनकर चला रहा है और उसके पीछे कोई नहीं है। इसके साथ चल रही काली स्प्लेंडर पर पीछे बैठा एक युवक नजर आ रहा है, जो एकदम रविंद्र जैसा दिखता है। सुबह करीब छह बजे ये दोनों बाइक झुमका चौराहे के पास पहुंचती हैं। इसके बाद जांच में सामने आया कि रविंद्र जैसा दिखने वाला यह शख्स चौराहे के पास बने एक शेड में जाकर तीन घंटे तक सोता रहा। वह सुबह 9 बजे उठा और पैदल ही रामपुर रोड की ओर बढ़ गया। इसके बाद वह किस वाहन से गया, यह पुलिस अब तक ट्रेस नहीं कर पाई है।

हमशक्ल या नया आरोपी?

इस फुटेज के बाद पुलिस की परेशानी बढ़ गई हैय रविंद्र और इस युवक में फर्क सिर्फ इतना था कि रविंद्र ने लाल रंग के जूते पहने थे, जबकि यह शख्स चप्पल में था। कपड़ों में भी हल्का-सा अंतर दिखा। रविंद्र की टीशर्ट पर लंबी धारियां थीं, जबकि इस युवक की शर्ट पर आड़ी धारियां थीं। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि शक है कि यह शख्स वही रामनिवास तो नहीं, जिसकी आईडी होटल के कमरे में मिली थी। अब जांच इस दिशा में भी की जा रही है कि कहीं इसे सिर्फ पुलिस को गुमराह करने और रविंद्र की असली मौजूदगी छिपाने के लिए तो नहीं भेजा गया था।

नकुल के पिता की निकली बाइक

इस मामले में इस्तेमाल हुई काली स्प्लेंडर बाइक की भी पहचान हो गई है। नंबर ट्रेस करने पर पता चला कि यह बाइक बागपत निवासी नकुल के पिता संजीव की है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि संजीव की इस घटना में कोई भूमिका है या नहीं। अगर भूमिका मिली तो उसका नाम भी विवेचना में जोड़ दिया जाएगा। फायरिंग में जिस पिस्टल का इस्तेमाल हुआ। वह भी पुलिस के लिए चिंता का सबब है। रविंद्र ने दिशा पाटनी के घर पर जो गोलीबारी की थी। उसमें जिगाना पिस्टल का इस्तेमाल हुआ। यह वही पिस्टल है, जिसका इस्तेमाल अतीक अहमद और अशरफ की हत्या में भी हुआ था। मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में भी इसी पिस्टल का इस्तेमाल हुआ था। तुर्की में बनी ये जिगाना पिस्टल भारत में बैन है। इसकी तस्करी नेपाल और पाकिस्तान के रास्ते की जाती है। इसकी खासियत है कि यह लगातार गोलियां बरसाती है। इसलिए यह बदमाशों की पहली पसंद बन चुकी है। कई देशों की सेनाएं भी इस हथियार का इस्तेमाल करती हैं।

हथियार अभी तक बरामद नहीं

पुलिस को अभी तक वह पिस्टल बरामद नहीं हो पाई है। शुरुआती फुटेज में रविंद्र के हाथ में सिर्फ एक लाल थैली दिखी थी। जांच में पता चला कि उस थैली में उसकी चप्पल रखी थी। होटल के कमरे में उसने जूते उतारे और फिर चप्पल पहनकर बाहर भी गया। उसके पास एक काला गमछा भी दिखा, लेकिन पिस्टल कहां छिपाई गई। यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है। पुलिस को शक है कि पिस्टल उसने कमर या पीठ पर कपड़ों के नीचे छिपा रखी थी।

उलझता जा रहा है मामला

इस पूरे केस में पांचवें शख्स की एंट्री ने पुलिस के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। अब सवाल यह है कि क्या सचमुच पांच आरोपी थे या यह हमशक्ल सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए लाया गया था। पुलिस लगातार फुटेज खंगाल रही है और रामनिवास की भूमिका पर भी फोकस कर रही है। अभी तक की जांच में दो शूटरों की मौत हो चुकी है। दो फरार हैं और अब पांचवें संदिग्ध की तलाश तेज हो गई है। दिशा पाटनी फायरिंग केस धीरे-धीरे एक बड़ी साजिश की तरफ इशारा कर रहा है, जिस पर बरेली पुलिस की नजर टिकी हुई है।

सड़क गड्ढों में तब्दील, राहगीरों को आने जाने में हो रही परेशानी

गोण्डा। जनपद के विकासखंड वजीरगंज के ग्राम सभा अशोकपुर टिकिया के भसमपुर में बालेश्वरगंज से बड़कुइयाँ, परसहवा को जाने वाली सड़क पूरी तरह से गड्ढे में तब्दील हो चुकी हैं। जिससे इस रास्ते से गुजरने वाले स्कूली बच्चों समेत सभी राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हल्की बारिश के पश्चात इस रास्ते से गुजरना हमेशा अपने आप को जोखिम में डालना होता है। स्कूली बच्चों के इस रास्ते से गुजरने से उनके ड्रेस खराब हो जाते हैं। कई बार इसकी वजह से दुर्घटनाएं भी हो चुकी है। अधिवक्ता लवलेश पाण्डेय ने बताया कि इस रोड को गड्ढा मुक्त करने की शिकायत आईजीआरएस के माध्यम से मुख्यमंत्री को भी की गई, लेकिन अब तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। साथ ही उन्होंने बताया कि पिछले 1 सालों से दर्जनों लोग इस रास्ते पर चोटिल हो चुके है लेकिन अभी तक इस सड़क का निर्माण नहीं हुआ।

हड्डियों के लिए जरूरी इस विटामिन की कमी से आंखों की भी बढ़ सकती है दिक्कतें, अंधेपन का खतरा

विटामिन डी आपके स्वास्थ्य के कई पहलुओं के लिए एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है, जिसमें आपकी आंखें भी शामिल हैं। आंखों को स्वस्थ रखना है तो आहार में विटामिन–डी की मात्रा को जरूर बढ़ा लें। आइए जानते हैं कि विटामिन–डी का आंखों से क्या लिंक है?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हमें नियमित रूप से कई प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, विटामिन-डी उनमें से एक है। ये विटामिन हड्डियों की मजबूती, इम्युनिटी बढ़ाने के लिए जाना जाता रहा है। क्या विटामिन-डी हमारी आंखों के लिए भी जरूरी होता है?

आमतौर पर विटामिन-डी को आंखों से जोड़कर नहीं देखा जाता है। पर कुछ शोध बताते हैं कि जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती है उन्हें हड्डियों और इम्युनिटी में कमजोरी के साथ आंखों से संबंधित समस्याएं यहां तक कि अंधेपन का भी खतरा हो सकता है। डॉक्टर्स कहते हैं, आंखों को स्वस्थ रखना है तो आहार में विटामिन-डी की मात्रा को जरूर बढ़ा लें। आइए जानते हैं कि विटामिन-डी का आंखों से क्या लिंक है?

संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए जरूरी है विटामिन डी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, विटामिन डी आपके स्वास्थ्य के कई पहलुओं के लिए एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है, जिसमें आपकी आंखें भी शामिल हैं। धूप के संपर्क में आने के बाद हमारी त्वचा स्वतः विटामिन-डी बनाने लगती है। आप इसे भोजन या विटामिन सप्लीमेंट के माध्यम से भी प्राप्त कर सकते हैं।

मैक्यूलर डिजनरेशन वयस्कों में अंधेपन का एक प्रमुख कारण है। यह आमतौर पर वृद्ध लोगों प्रभावित करता है। शोध से पता चलता है कि विटामिन-डी की कमी से आंखों की इस समस्या का खतरा बढ़ जाता है। मैक्यूलर डिजनरेशन के कारण अंधेपन का भी जोखिम रहता है।

आंखों के लिए विटामिन-डी

जब बात आंखों की सेहत की होती है तो लोग अक्सर विटामिन-ए को सबसे जरूरी मानते हैं, लेकिन कई शोध बताते हैं कि विटामिन-डी भी आंखों को स्वस्थ रखने में उतना ही जरूरी है। विटामिन-डी आंखों में होने वाली सूजन को कम करता है और रेटिना की कोशिकाओं को सुरक्षित रखता है। यह विटामिन आंखों की रक्त वाहिकाओं की सेहत को भी ठीक बनाए रखता है और नसों को मजबूत करता है। यानी, यह सिर्फ देखने की क्षमता ही नहीं बल्कि आंखों की पूरी संरचना की रक्षा करता है।

मैक्युलर डिजनरेशन का खतरा

डॉक्टर कहते हैं, आपके शरीर में पर्याप्त विटामिन-डी का स्तर मैक्युलर डिजनरेशन को रोकने या धीमा करने में मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि मैक्युलर डिजनरेशन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से जुड़ा होता है। अत्यधिक ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस आपके शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है, जिनमें दृष्टि के लिए जरूरी कोशिकाएं भी शामिल हैं।

विटामिन-डी में एंटीऑक्सीडेंट और सूजन-रोधी गुण होते हैं जो मैक्युलर डिजनरेशन का कारण बनने वाले ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद कर सकते हैं।

विटामिन-डी की कमी से होने वाली अन्य समस्याएं

अध्ययन बताते हैं कि विटामिन-डी की कमी भारत सहित दुनियाभर में एक आम समस्या बन चुकी है, और इसका असर सिर्फ हड्डियों पर नहीं बल्कि आंखों और इम्यून सिस्टम पर भी पड़ता है। अगर शरीर में विटामिन-डी की कमी हो जाए, तो सबसे पहले हड्डियों पर असर दिखता है।

बच्चों में यह रिकेट्स नामक बीमारी का कारण बनता है जिसमें हड्डियां कमजोर और टेढ़ी-मेढ़ी हो जाती हैं।

बड़ों में इसका असर ऑस्टियोपोरोसिस के रूप में दिखता है, जिसमें हड्डियां भुरभुरी और दर्दनाक हो जाती हैं।

इसके अलावा विटामिन-डी की कमी से बार-बार थकान, मांसपेशियों में दर्द, मूड स्विंग्स और डिप्रेशन भी हो सकते हैं।

अध्ययनों से यह भी साबित हुआ है कि इसकी कमी वाले लोगों में हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर का खतरा भी ज्यादा होता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए कंप्लीट स्किन केयर गाइड, कुछ सावधानियों के साथ फॉलो करें ये टिप्स

गर्भावस्था हर महिला के जीवन का एक बेहद खास और संवेदनशील समय होता है। इस दौरान शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव न केवल आपकी भावनाओं और स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, बल्कि त्वचा पर भी इसका सीधा असर दिखाई देता है। कुछ महिलाओं को इस दौरान नेचुरल ग्लो मिल जाता है, तो कुछ को पिंपल्स, ड्रायनेस, पिग्मेंटेशन और स्ट्रेच मार्क्स जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्किन केयर को नजरअंदाज करना सही नहीं होता। यदि आप या आपके घर में कोई महिला गर्भवती है, तो उनके लिए सुरक्षित और प्रभावी स्किन केयर उपायों को अपनाना बेहद जरूरी है। इस लेख में हम बताएंगे गर्भावस्था के दौरान स्किन की देखभाल के सही तरीके और जरूरी सावधानियां, ताकि इस खूबसूरत सफर के दौरान भी उनकी त्वचा रहे हेल्दी, ग्लोइंग और खुशहाल।

क्लींजर होना चाहिए बेहद माइल्ड

जिस भी क्लींजर का आप इस्तेमाल कर रही हैं वो एकदम माइल्ड होना चाहिए। ध्यान रखें कि गलती से भी हार्श केमिकल्स वाला फेसवॉश न इस्तेमाल करें। इसकी वजह से आपकी स्किन ज्यादा डैमेज हो सकती है। अपनी स्किन के हिसाब से एलोवेरा, चंदन या नीम बेस्ड माइल्ड क्लींजर बेहतर रहेगा।

मॉइस्चराइजर है सबसे जरूरी

गर्भावस्था में ज्यादातर महिलाओं की स्किन काफी ड्राई हो जाती है। ऐसे में मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल बेहद जरूरी है। यदि स्किन ड्राई होती है, तो दिन में कई-कई बार स्किन पर मॉइस्चराइज़र लगाएं। ये आपका मॉइस्चराइजर नारियल तेल या शिया बटर जैसे तत्वों वाला होना चाहिए। ये स्किन के लिए अच्छा माना जाता है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं

बहुत सी महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान पिग्मेंटेशन की दिक्कत सामने आती है। ये दिक्कत सबसे ज्यादा सूरज की यूवी किरणों की वजह से होती है। इससे बचाव के लिए कम से कम SPF 50 वाला प्रेग्नेंसी-सेफ सनस्क्रीन लगाएं। इसे हाथ-पैर से लेकर चेहरे तक पर आप अप्लाई कर सकती हैं।

स्ट्रेच मार्क्स से बचाव

गर्भावस्था के दौरान पेट का आकार बढ़ता है, ऐसे में आप पहले से ही स्ट्रेच मार्क्स से बचाव शुरू कर सकते हैं। इसके लिए दिन में कम से कम दो बार पेट, कमर और जांघों पर नियमित रूप से विटामिन E ऑयल या कोको बटर लगाएं। ये काफी फायदेमंद माना जाता है।

बरतें ये सावधानी

रेटिनॉल, सैलिसिलिक एसिड, बेंजोइल पेरोक्साइड जैसे केमिकल्स से बचें।

कोई भी नया स्किन प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें।

इस समय स्किन को अधिक एक्सफोलिएट न करें, क्योंकि गर्भावस्था के समय त्वचा संवेदनशील होती है।

घरेलू नुस्खे अपनाएं, लेकिन स्किन पर पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

सिर पर स्कार्फ बांधने के लिए अपनाएं ये 5 आसान तरीके, लगेंगी बेहद खूबसूरत

भारतीय महिलाएं सिर पर स्कार्फ बांधने का चलन रखती हैं क्योंकि यह न केवल पारंपरिक होता है, बल्कि इसे सही तरीके से बांधने पर यह बहुत सुंदर भी लगता है। सही तरीके से स्कार्फ बांधने से न केवल आपका लुक खास लगेगा, बल्कि यह आपके बालों को भी सुरक्षित रखता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जिनसे आप अपने सिर पर स्कार्फ बांध सकती हैं और सुंदर दिख सकती हैं।

क्लासिक टर्बन ट्विस्ट

क्लासिक टर्बन ट्विस्ट एक पारंपरिक और आकर्षक तरीका है, जिससे आप अपने सिर पर स्कार्फ बांध सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले एक लंबा स्कार्फ लें और उसे आधा मोड़कर दो हिस्सों में बांट लें, फिर इन दोनों हिस्सों को एक-दूसरे पर लपेटें। इसके बाद स्कार्फ के सिर के पिछले हिस्से पर लपेटें और पिन लगाकर सुरक्षित करें। यह तरीका न केवल आपके बालों को ढकता है बल्कि आपको एक शाही लुक भी देता है।

बोहेमियन बैंडाना लुक

अगर आप एक अलग और आधुनिक लुक चाहती हैं तो बोहेमियन बैंडाना लुक आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक चौड़ा स्कार्फ लें और उसे त्रिकोण आकार में मोड़ें, फिर इस त्रिकोण को अपने सिर पर रखें और दोनों सिरों को बांध लें। यह तरीका खासतौर पर गर्मियों में बहुत अच्छा लगता है क्योंकि यह आपको ठंडक देता है और आपके लुक को भी खास बनाता है।

रेट्रो रोजी रैप स्टाइल

रेट्रो रोजी रैप स्टाइल एक ऐसा तरीका है, जिससे आप अपने सिर पर स्कार्फ बांध सकती हैं और एक खास अंदाज पा सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बड़ा स्कार्फ लें और उसे त्रिकोण आकार में मोड़ें, फिर इस त्रिकोण को अपने सिर पर रखें और उसके सबसे ऊपरी हिस्से को बांध लें। अब स्कार्फ के दोनों सिरों को खोलकर उनके ऊपर बांध लें।

बो टाई स्टाइल

सुंदर बो टाई स्टाइल एक ऐसा तरीका है, जिससे आप अपने सिर पर आसानी से स्कार्फ बांध सकती हैं और एक सुंदर दिख सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले एक लंबा स्कार्फ लें और उसे आधा मोड़कर दो हिस्सों में बांट लें, फिर इन दोनों हिस्सों को एक-दूसरे पर लपेटें। इसके बाद स्कार्फ के सिर के पिछले हिस्से पर लपेटें और ऊपर की तरफ एक बड़ा सा गांठ बनाएं।

चिक पोनीटेल रैप

अगर आप रोजमर्रा के उपयोग के लिए कुछ आसान चाहते हैं तो चिक पोनीटेल रैप आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले अपने बालों को पोनीटेल बना लें, फिर एक लंबा स्कार्फ लें और उसे पोनीटेल के आधार पर लपेटें। इसके बाद स्कार्फ के सिरों को बांध लें और ऊपर की तरफ एक सुंदर गांठ बनाएं। यह तरीका न केवल आपके बालों को ढकता है बल्कि आपको एक आकर्षक लुक भी देता है।

गुलाब के पौधे को सालभर खिलखिलाने के लिए अपनाएं ये 5 आसान तरीके

गुलाब का पौधा अपने खूबसूरत फूलों के लिए जाना जाता है। इसे सही देखभाल और प्यार देने पर यह सालभर खिलखिलाता रहता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने गुलाब के पौधे को स्वस्थ और सुंदर बना सकते हैं। सही पानी, धूप, खाद, छंटाई और कीट नियंत्रण जैसे अहम पहलुओं पर ध्यान देकर आप अपने गुलाब के पौधे को हर मौसम में खिलखिलाता रख सकते हैं।

सही मात्रा में पानी दें

गुलाब के पौधे को सही मात्रा में पानी देना बहुत जरूरी है। ज्यादा पानी देने से जड़ें सड़ सकती हैं, जबकि कम पानी देने से पौधा मुरझा सकता है। सबसे अच्छा तरीका है कि मिट्टी को देखकर ही पानी दें। अगर मिट्टी सूखी लगे तो ही पानी डालें। सुबह या शाम के समय पानी देने से भी पौधे पर अच्छा असर पड़ता है, जिससे पौधा ताजा और स्वस्थ रहता है।

धूप का ध्यान रखें

गुलाब के पौधे को पर्याप्त धूप मिलनी चाहिए ताकि वह अच्छे से बढ़ सके। दिन में कम से कम 6-8 घंटे की धूप बहुत जरूरी है। अगर आप पौधे को बाहर नहीं रख सकते तो किसी ऐसी जगह पर रखें जहां उसे प्राकृतिक रोशनी मिल सके। अगर पौधा अंदर है तो खिड़की के पास रखें या फिर किसी खुली बालकनी में रखें ताकि उसे पर्याप्त धूप मिले।

सही खाद का उपयोग करें

गुलाब के पौधे को पोषण देने के लिए सही खाद का उपयोग करना चाहिए। जैसे गोबर की खाद या प्राकृतिक खाद सबसे अच्छा विकल्प होता है क्योंकि यह पौधे को प्राकृतिक तरीके से पोषण देता है। हर महीने एक बार खाद डालें ताकि पौधे को जरूरी पोषक तत्व मिलते रहें। इसके अलावा समय-समय पर पौधे के पास खाद डालते रहें ताकि उसकी जड़ों तक पोषक तत्व पहुंच सकें और वह स्वस्थ और मजबूत बना रहे।

छंटाई करें

गुलाब के पौधे की समय-समय पर छंटाई करना बहुत जरूरी होता है। इससे पुराने सूखे पत्ते और मुरझाए फूल हट जाते हैं और नए टहनियों को बढ़ने का मौका मिलता है। इसके अलावा इससे पौधे की हवा भी अच्छी तरह से चलती रहती है और वह स्वस्थ रहता है। छंटाई करने से पौधे की बढ़त तेज होती है और वह अधिक मात्रा में फूल देता है, जिससे आपका बगीचा हमेशा खिलखिलाता रहता है।

कीट नियंत्रण करें

गुलाब के पौधे पर कीड़े-मकोड़े लगना आम बात है, लेकिन इन्हें समय रहते रोकना जरूरी है। इसके लिए नीम तेल या साबुन पानी का छिड़काव करें। इससे कीड़े हट जाएंगे और पौधे को नुकसान नहीं होगा। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपने गुलाब के पौधे को सालभर खिलखिलाता रख सकते हैं। सही देखभाल और प्यार देने पर आपका गुलाब का पौधा हमेशा स्वस्थ रहेगा और आपके बगीचे की शोभा बढ़ाएगा।

2040 तक एआई ग्लोबल ट्रेड को 40 फीसदी तक बढ़ा देगा : डब्ल्यूटीओ

जिनेवा। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने बुधवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में दावा किया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभाव से 2040 तक वैश्विक व्यापार में उल्लेखनीय बदलाव आएगा, जिससे व्यापार में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

डब्ल्यूटीओ ने अपने प्रमुख प्रकाशन, विश्व व्यापार रिपोर्ट 2025 के संस्करण में कहा कि एआई के विकास और उपयोग से वैश्विक जीडीपी में 12 से 13 प्रतिशत की वृद्धि होने का भी अनुमान है। एआई 2040 तक व्यापार और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उल्लेखनीय वृद्धि ला सकता है, जिससे ग्लोबल ट्रेड में 34 से 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान है।

रिपोर्ट में अर्थव्यवस्थाओं को कच्चे माल, सेमीकंडक्टर्स और इंटरमीडिएट इनपुट सहित एआई-इनेबल गुड्स तक पहुंच प्रदान करके समावेशी एआई-समर्थित विकास को सक्षम करने में व्यापार की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। अनुमान है कि 2023 में इन वस्तुओं का वैश्विक व्यापार कुल 2.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का होगा। हालांकि, रिपोर्ट में डिजिटल डिवाइड (विकसित और विकासशील देशों के बीच डिजिटल बुनियादी ढांचे और कौशल में भारी अंतर) के बढ़ने को लेकर भी चेतावनी दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टारगेट इंवेस्टमेंट, समावेशी नीतिगत ढांचों और अंतर्राष्ट्रीय समन्वय के बिना, एआई मौजूदा डिवाइड को और बढ़ा सकता है जिससे एआई की पोटेंशियल (क्षमता) कमजोर पड़ सकती है।

डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला ने रिपोर्ट की प्रस्तावना में कहा, एआई में व्यापार लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने की अपार क्षमता है। हालांकि, एआई तकनीकों तक पहुंच और डिजिटल व्यापार में भागीदारी की क्षमता अभी भी बहुत असमान है।

ओकोंजो-इवेला ने एआई को सभी अर्थव्यवस्थाओं में अवसर पैदा करने में सक्षम बनाने के लिए व्यापार, निवेश और पूरक नीतियों के सही मिश्रण का आह्वान किया।

रिपोर्ट में एआई के विकास और परिनियोजन में व्यापक भागीदारी का समर्थन करने के लिए अधिक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, विशेष रूप से एआई और व्यापार पर मजबूत सहयोग का आग्रह किया गया है।

इसमें आगे कहा गया है कि निवेश, घरेलू सुधार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग द्वारा समर्थित सही ढांचे के साथ, एआई अवसरों का विस्तार कर सकता है और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को मजबूत कर सकता है।

स्वीगी ने नया ऐप टोइंग किया लॉन्च, सिर्फ 50 रुपए में ऑर्डर कर सकेंगे भरपेट खाना

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विगी ने हाल ही में टोइंग ऐप लॉन्च किया है। इस ऐप से 50 रुपए से 250 रुपए तक का फूड ऑर्डर कर सकेंगे। ये ऐप उन लोगों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जिनका बजट कम होता है। हालांकि ये ऐप अभी सिर्फ पुणे में टेस्टिंग के लिए शुरू किया गया है।

ज्जशद्बठ्ठद्द प्लेटफॉर्म पर कोई सर्ज प्राइसिंग नहीं होगा, यानी पीक टाइम या ज्यादा ऑर्डर आने पर भी यूजर को एक्स्ट्रा पैसे नहीं देने होंगे। यूजर्स की एक बड़ी शिकायत यह रही है कि रेस्टोरेंट में दिखने वाली कीमत और डिलीवरी ऐप पर दिखाई जाने वाली कीमत में काफी फर्क होता है। इस पर ज्जशद्बठ्ठद्द का वादा है कि ऑफलाइन मेन्यू और ऐप पर दिखने वाले दाम बिल्कुल समान रहेंगे। इससे ग्राहकों को पारदर्शिता मिलेगी और भरोसा भी बढ़ेगा। ये ऐप जेप्टो कैफे और रैपिडो के ओनली को टक्कर देगी।

एआई युग में भारत की आईटी सर्विस कंपनियों के राजस्व में 6 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय आईटी सर्विस कंपनियों के राजस्व में वित्त वर्ष 27 में 5-6 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसका मतलब है कि कार्य की मात्रा में 8-10 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। यह जानकारी बुधवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई।

एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की आईटी कंपनियां अमेरिका की मजबूत व्यापक आर्थिक पृष्ठभूमि से लाभान्वित होने के लिए तैयार हैं, क्योंकि उनके टॉप अमेरिकी क्लाइंट्स ने कई वर्षों में अपनी सबसे मजबूत तिमाहियों में से एक दर्ज की है।

रिसर्च फर्म के विश्लेषकों को उम्मीद है कि यह गति कॉर्पोरेट विश्वास को बढ़ाएगी और 2025 तक उच्च टेक्नोलॉजी खर्च को बढ़ावा देगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई एजेंट मल्टी-एजेंट सिस्टम में विकसित हो रहे हैं, जिससे एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर और इंफ्रास्ट्रक्चर के रिडिजाइन को बढ़ावा मिल रहा है। यह बदलाव भारतीय आईटी फर्मों के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है।

इसके अलावा, रिपोर्ट में उद्योग के अनुमानों का हवाला दिया गया है, जो बताते हैं कि कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू होने पर अगले तीन से चार वर्षों में एआई आईटी सेवाओं के मूल्य को 8-10 प्रतिशत तक कम कर सकता है, जिसका मतलब है कि 2025-27 में इसका वार्षिक प्रभाव 3-4 प्रतिशत तक हो सकता है।

हालांकि, भारतीय आईटी कंपनियों ने कहा कि उन्होंने अब तक ग्राहकों से प्राप्त परियोजनाओं की संख्या बढ़ाकर इसकी भरपाई की है और इसलिए कुल राजस्व में वृद्धि जारी है।

एचएसबीसी ने कहा, हमारा मानना है कि 2026 में इस अपस्फीतिकारी प्रभाव और व्यापक अनुकूल परिस्थितियों के बीच खींचतान होगी।

कंपनी ने एजेंटिक एआई या एडवांस्ड मल्टी-एजेंट सिस्टम पर चिंताओं को खारिज कर दिया, जो संभावित रूप से सॉफ्टवेयर उद्योग को खत्म कर सकते हैं और लंबी अवधि में आईटी सर्विस को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत की सबसे बड़ी आईटी सर्विस कंपनी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अगस्त में अपने लगभग 80 प्रतिशत कर्मचारियों के वेतन संशोधन की घोषणा की। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब कंपनी 2025 में लगभग 12,000 कर्मचारियों, यानी अपने वर्कफोर्स के 2 प्रतिशत की छंटनी करने की तैयारी कर रही है।

22 सितंबर से पहले बने सामानों पर कीमतों में बदलाव का स्टिकर लगाना जरूरी नहीं, सरकार ने किया साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने गुरुवार को साफ किया कि जीएसटी दरों में संशोधन के बाद निर्माताओं, पैकर्स और आयातकों को 22 सितंबर से पहले बने बिना बिके सामानों पर संशोधित मूल्य का स्टिकर लगाने की जरूरत नहीं होगी। सरकार ने यह बात उद्योग निकायों और व्यापार संघों से मिले ज्ञापनों के बाद कही है। उद्योग निकायों ने विभाग के दिशानिर्देशों के कारण अनुपालन में आने वाली चुनौतियों पर चिंता जाहिर की थी। विभाग ने 9 सितम्बर को जारी अपने सुझाव में बदलाव करते हुए कहा है कि कंपनियां यदि चाहें तो 22 सितम्बर से पहले बने बिना पैकेट्स पर संशोधित मूल्य का स्टीकर लगा सकती है।

मंत्रालय ने कहा, 'मौजूदा नियमों के अनुसार, निर्माता/पैकर/आयातकर्ता/उनके प्रतिनिधियों द्वारा 22 सितंबर, 2025 से पहले निर्मित और उनके पास पड़े बिना बिके पैकेजों पर संशोधित मूल्य का स्टिकर लगाना अनिवार्य नहीं है।' सरकार ने विधिक माप विज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के नियम 18(3) में भी ढील दी है, जिसके तहत पहले कंपनियों को संशोधित कीमतों की घोषणा करते हुए दो अखबारों में विज्ञापन देना होता था।

निर्माताओं और आयातकों को अब केवल थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को मूल्य परिवर्तन की सूचना देनी होगी। इसकी प्रतियां केंद्र में विधिक माप विज्ञान निदेशक और सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में विधिक माप विज्ञान नियंत्रकों को भेजी जाएंगी।

विभाग ने कंपनियों को यह भी कहा है कि वे इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया सहित सभी उपलब्ध संचार माध्यमों से डीलरों, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को संशोधित जीएसटी के बाद कीमतों के बारे में सूचित करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। सरकार ने आगे स्पष्ट किया कि पुराने एमआरपी वाले किसी भी अप्रयुक्त पैकेजिंग सामग्री या रैपर का उपयोग 31 मार्च, 2026 तक या स्टॉक समाप्त होने तक, जो भी पहले हो, किया जा सकता है। हालांकि इसके लिए शर्त है कि खुदरा बिक्री मूल्य में स्टैम्पिंग, स्टिकर या ऑनलाइन प्रिंटिंग का उपयोग करके सुधार किया जाए। इसके अलावे विभाग ने साफ किया कि पहले पैक हुई बिना बिकी वस्तुओं और अप्रयुक्त पैकेजिंग सामग्री पर संशोधित यूनिट प्राइस घोषित करना अनिवार्य नहीं है। कंपनियां चाहें तो स्वेच्छा से ऐसा कर सकती हैं।

ट्रंप से हार बर्दाश्त नहीं कर पाईं थीं कमला हैरिस, अपनी किताब में किए कई चौंकाने वाले खुलासे

वॉशिंगटन, एजेंसी। इन दिनों कमला हैरिस की लिखी किताब की खूब चर्चा है, जिसमें राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान और कमला हैरिस के निजी जीवन को लेकर कई अहम खुलासे किए गए हैं। कमला हैरिस ने अपनी किताब '107 डेज' में बताया है कि जब राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें ट्रंप के सामने अपनी हार के बारे में पता चला तो उन्हें इस पर यकीन नहीं हुआ और लगा कि जैसे सब कुछ खत्म हो गया। कमला हैरिस ने किताब में लिखा है, 'मैं मुश्किल से सांस ले पा रही थी'। हैरिस ने लिखा 'मैं मन ही मन पूछती रही, हे भगवान, हे भगवान, हमारे देश का क्या होगा?'

'जो बाइडन थक गए थे'

जो बाइडन के राष्ट्रपति चुनाव की रेस से हटने के बाद कमला हैरिस ने कमान संभाली और इसी मुद्दे पर यह किताब लिखी गई है। कमला हैरिस ने बताया कि 'उन्हें जो बाइडन की क्षमता पर कोई शक नहीं था, लेकिन 81 साल की उम्र में बाइडन थक गए थे। बाइडन के बोलने में लड़खड़ाहट से यह पता चलता था। जब ट्रंप और बाइडन के बीच बहस हुई और उस बहस में बाइडन जिस तरह से थके हुए लग रहे थे, मैं तभी समझ गई थी कि बाइडन ठीक नहीं थे।' कमला हैरिस ने बाइडन के साथ अपनी साझेदारी के बारे में अच्छी बातें लिखीं, लेकिन ऐसे भी पल आए, जब दोनों के बीच चीजें सही नहीं हुईं। जब बाइडन को राष्ट्रपति पद की रेस से हटाने की बात चल रही थी तो कमला हैरिस ने बताया कि उस वक्त जो बाइडन की पत्नी ने उनसे पूछा था कि क्या वे हमारे साथ हैं? कमला हैरिस ने कहा कि वे शायद पूछना चाहती थीं कि क्या हम वफादार हैं?

अपनी खामियां स्वीकारी

कमला हैरिस ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान जब वे 'द व्यू टॉक' शो में शामिल हुईं थी तो वह उनकी गलती थी। कमला हैरिस ने कहा कि इंटरव्यू के दौरान मेजबान ने उनसे सवाल किया कि पिछले चार वर्षों में उन्होंने बाइडन से अलग क्या करतीं तो हैरिस निशब्द हो गईं और उन्हें कोई जवाब नहीं सूझा। हैरिस ने लिखा कि 'वह पल था, जिससे हमें लगा कि हमने ट्रंप के चुनाव अभियान टीम को हमें घेरने का मौका दे दिया है।' हैरिस ने लिखा कि 'उस इंटरव्यू में मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि मैंने हथगोले का पिन खींच लिया था।' कमला हैरिस ने ये भी दावा किया कि जो बाइडन से जुड़ाव के चलते उन्हें नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि लोग उस वक्त जो बाइडन से नफरत करते थे।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार को लेकर किया खुलासा

हैरिस ने बताया कि वे पहले इंडियाना के पूर्व मेयर पीट बटिगिएग को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाना चाहतीं थी, लेकिन बटिगिएग गे थे और वह खतरा मोल नहीं लेना चाहती थीं। बाद में जोश शापिरो के नाम पर चर्चा हुई, लेकिन शापिरो के अनुभव को देखते हुए उन्हें नंबर दो की भूमिका के लिए चुनना सही नहीं लगा। बाद में मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज को चुना गया, लेकिन जेडी वेंस के साथ बहस में वाल्ज का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

ट्रंप से की थी बात

कमला हैरिस ने बताया कि ट्रंप पर जानलेवा हमले के बाद उन्होंने ट्रंप को फोन किया था। हैरिस ने बताया कि ट्रंप अपने प्रतिद्वंदी की भी चापलूसी करते रहे। ट्रंप ने कहा था कि मैं अब आपके (कमला हैरिस) बारे में बुरा कैसे बोल सकता हूं। ट्रंप ने ये भी कहा कि उनकी बेटी इवांका कमला हैरिस की बड़ी प्रशंसक है। हैरिस ने लिखा कि 'जब बातचीत खत्म हुई तो वे भी ट्रंप की क्षमता से हैरान रह गईं।' कमला हैरिस ने लिखा कि 'ट्रंप ठग हैं और वह इसमें बहुत माहिर हैं।'

जिमी किमेल का शो बंद होने पर डेमोक्रेट्स भड़के, अभिव्यक्ति की आजादी पर लाएंगे विधेयक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एबीसी नेटवर्क ने मशहूर प्रस्तोता और कॉमेडियन जिमी किमेल के शो का प्रसारण अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का एलान किया है। इस बात से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद भड़क गए हैं और उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर राजनीतिक आलोचकों को धमकाने का आरोप लगाया है। यही वजह है कि डेमोक्रेट सांसदों ने अब सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अभिव्यक्ति की आजादी के लिए विधेयक पेश करने का फैसला किया है। डेमोक्रेट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास कर रहा है। डेमोक्रेट पार्टी आरोप लगाया कि ट्रंप सरकार ने एबीसी नेटवर्क पर दबाव बनाकर जिमी किमेल शो को बंद कराया है। हालांकि अमेरिकी संसद में इस समय रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा है। ऐसे में डेमोक्रेट सांसदों के इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम ही है। हाल ही में ट्रंप के करीबी और दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना को लेकर अमेरिकी समाज बंटा हुआ है। हाल ही में जिमी किमेल ने अपने शो में चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे टायलर रॉबिन्सन पर टिप्पणी की। किमेल ने दावा किया कि रॉबिन्सन पहले ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन रहा होगा और 'मैगा गिरोह' इस बात को छिपाने की कोशिश कर रहा है। उनकी इस टिप्पणी के तुरंत बाद दक्षिणपंथी समूहों ने उन्हें निशाने पर ले लिया। सोशल मीडिया पर उन्हें कठोर शब्दों में ट्रोल किया गया और यह मामला राजनीतिक रंग ले बैठा।

कनाडा और मैक्सिको ने की अमेरिका की घेराबंदी, टैरिफ धमकियों के बीच संबंधों को मजबूत करने का किया एलान

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ से जुड़ी धमकियों के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने गुरुवार को घोषणा की कि वे आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करेंगे। उन्होंने पश्चिमी गोलार्ध के सबसे अहम मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जीवित रखने की बात कही। इस एफटीए की अगले साल समीक्षा होनी है। पश्चिमी गोलार्ध में उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको और कुछ पश्चिमी अफ्रीकी हिस्से आते हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्नी का यह पहला मैक्सिको दौरा है। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्र आर्थिक तनातनी से गुजर रहा है। मैक्सिको के राष्ट्रपति भवन में कार्नी और शीनबाम ने हाथ मिलाया और फिर एकसाथ बैठक के लिए प्रवेश किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप वहां मौजूद नहीं थे। लेकिन उनकी व्यापार नीति और अनिश्चितता इस मुलाकात के दौरान चर्चा का केंद्र बनी। बैठक के बाद कार्नी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, उत्तरी अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह सबसे प्रतिस्पर्धी आर्थिक क्षेत्र माना जाता है और इसका एक बड़ा कारण कनाडा और मैक्सिको के बीच सहयोग है। हम अमेरिका के साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे वह और भी मजबूत बनता है। हस सभी मिलकर और भी मजबूत बनते हैं। कार्नी और शीनबाम की बैठक का मुख्य विषय 'अमेरिका-मैक्सिको-कनाडा मुक्त व्यापार समझौता' यानी यूएसएमसीए था, जिसकी 2026 में समीक्षा होनी है।

स्थिर विकल्पों की तलाश में कनाडा-मैक्सिको

यह एफटीए तीनों देशों के बीच दशकों से चला आ रहा है। इससे तीनों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हैं। कनाडा का 75 फीसदी से अधिक निर्यात और मैक्सिको का 80 फीसदी से अधिक निर्यात अमेरिका को ही जाता है। ट्रंप की लगातार बदलती व्यापार नीति और टैरिफ की धमकियों ने इन देशों के नेताओं और व्यापार जगत चिंतित कर दिया है, जिससे वे अब व्यापार के लिए अधिक स्थिर विकल्पों की तलाश में है।

टोरंटो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस नेल्सन वाइसमैन ने कहा, ट्रंप की गैरमौजूदगी के बावजूद उनकी छवि इस दौरे पर हावी है। कनाडा और मैक्सिको अब अमेरिका से एक समान खतरा महसूस कर रहे हैं। गुरुवार को कार्नी ने कहा कि वह कनाडा और मैक्सिको के बीच और अधिक व्यापार और निवेश की उम्मीद कर रहे हैं। शीनबाम ने कहा कि दोनों देशों ने एक ऐसी योजना पर सहमति बनाई है, जो उनकी आपसी आर्थिक संबंधों को एक नई दिशा देगी। शीनबाम ने यह भी कहा कि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते के जरिए अलग-अलग क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए समुद्री मार्गों का उपयोग करेंगे, ताकि उनका माल अमेरिका से होकर न गुजरे।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना भी कार्नी के दौरे का मकसद

कार्नी के दौरे का मकसद मैक्सिको के साथ संबंध बेहतर करना भी था। दरअसल, कनाडा के कुछ प्रांती नेताओं ने पिछले साल कहा था कि अगर अमेरिका से नया व्यापार समझौता होता है, तो उसमें मैक्सिको को शामिल न किया जाए। ट्रंप ने फेंटानिल की तस्करी के मुद्दे पर कनाडा को मैक्सिको के साथ जोड़ा था और दोनों देशों पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। उस समय ओंटारियों प्रांत के प्रमुख नेता डग फोर्ट ने कहा था कि ट्रंप द्वारा कनाडा की तुलना मैक्सिको से करना सबसे अपमानजनक बात है। शीनबाम के राष्ट्रपति पद की शपथ समारोह में कनाडा का प्रतिनिधित्व करने वाले कनाडा के सांसद पीटर बोहम ने कहा कि इन प्रांतीय नेताओं की टिप्पणियों से मैक्सिको नाराज हो गया था।

एआईएफएफ के संविधान मसौदे को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी, कल्याण चौबे के चुनाव को दी मान्यता

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ संशोधनों के साथ एआईएफएफ (ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन) के संविधान के मसौदे को मंजूरी दे दी है। साथ ही फुटबॉल संस्था को इसे चार हफ्तों के भीतर आम सभा में अपनाने का निर्देश भी दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कल्याण चौबे की अध्यक्षता वाले एआईएफएफ के मौजूदा पदाधिकारियों के चुनाव को भी मान्यता दी है। सुप्रीम कोर्ट ने नए चुनाव की संभावना को खारिज कर दिया है क्योंकि मौजूदा पदाधिकारियों का कार्यकाल का सिर्फ एक साल बाकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने 30 अप्रैल को पूरी कर ली थी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के संविधान मामले पर सुनवाई बीती 30 अप्रैल को पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। एआईएफएफ का मामला सुप्रीम कोर्ट में साल 2017 से चल रहा था। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने पहले एआईएफएफ को नया संविधान बनाने का निर्देश दिया। इसके बाद रिटायर्ड जस्टिस एल नागेश्वर राव ने साल 2023 में नया संविधान बनाया, लेकिन उसे लेकर अंतिम फैसला बाकी था। अब सुप्रीम कोर्ट ने कुछ संशोधन के बाद संविधान मसौदे को मंजूरी दे दी है।

इससे पहले एशियन फुटबॉल फेडरेशन और फीफा ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन को पत्र लिखकर 30 अक्तूबर तक अपना संविधान तैयार करने का आदेश दिया था, वरना एआईएफएफ को निलंबित करने की धमकी दी गई थी। न्यायालय ने कई दिनों तक विभिन्न राज्य फुटबॉल संघों और पूर्व खिलाड़ियों द्वारा संविधान के मसौदे पर उठाई गई आपत्तियों पर भी सुनवाई की।

संविधान में किए गए हैं ये प्रावधान

रिटायर्ड जस्टिस एल नागेश्वर राव द्वारा शीर्ष अदालत के निर्देश पर तैयार किए गए संविधान के मसौदे में कुछ आमूल-चूल परिवर्तन किए गए थे, जिनमें एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में एआईएफएफ में अधिकतम 12 वर्षों तक पद पर बने रहने की अनुमति देना शामिल होगी, बशर्ते कि वह अधिकतम दो बार लगातार चार-चार वर्षों का कार्यकाल पूरा करे। इसमें कहा गया था कि खेल संस्था के पदाधिकारी के रूप में आठ साल के कार्यकाल के बाद चार साल की कूलिंग ऑफ अवधि का पालन करना होगा, लेकिन मसौदे में यह भी कहा गया था कि कोई भी व्यक्ति 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद खेल संस्था का सदस्य नहीं रह सकता। मसौदे के अनुसार, एआईएफएफ की कार्यकारी समिति में 14 सदस्य होंगे। इसमें एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष (एक पुरुष और एक महिला), एक कोषाध्यक्ष और 10 अन्य सदस्य होंगे। इन 10 सदस्यों में से पांच प्रतिष्ठित खिलाड़ी होंगे, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। मसौदे के संविधान में अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से अध्यक्ष सहित पदाधिकारियों को हटाने का भी प्रावधान है, जो एआईएफएफ के मौजूदा संविधान में नहीं है।

सीट बंटवारे पर इंडिया ब्लॉक में घमासान : दीपंकर बोले– पिछले चुनाव से सबक ले कांग्रेस, लचीलापन दिखाए राजद

कोलकाता, एजेंसी। बिहार में विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन ने उम्मीद जताई है कि कांग्रेस इस बार सीट बंटवारे की बातचीत में ज्यादा यथार्थवादी रुख अपनाएगी। पार्टी महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि कांग्रेस को 2020 के विधानसभा चुनाव से सबक लेना चाहिए, जब उसने अपनी क्षमता से ज्यादा सीट मांग ली थीं, लेकिन प्रदर्शन बहुत कमजोर रहा।

दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) भी छोटे दलों के लिए सीटों को लेकर ज्यादा लचीलापन दिखाए, क्योंकि इस बार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में नए दलों के आने की संभावना है, जिससे गठबंधन बड़ा हो सकता है। भट्टाचार्य ने बताया कि उनकी पार्टी इस बार 243 में से कम से कम 40 सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है, जबकि 2020 में उसने केवल 19 सीट पर चुनाव लड़ा था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर इंडिया ब्लॉक सत्ता में आता है, तो तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे और इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने कहा, 'बातचीत जारी है.. एसआईआर आंदोलन के कारण थोड़ी देरी हुई, क्योंकि इसमें काफी समय और उर्जा लगी। लेकिन मुझे उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक तस्वीर साफ हो जाएगी।' कांग्रेस की हालिया 'मतदाता अधिकार यात्रा' के बाद ज्यादा सीटों की मांग पर भट्टाचार्य ने कहा, मैंने देखा कि कुख कांग्रेस नेता करीब 70 सीट मांग रहे हैं। लेकिन पिछली बार उन्होंने 70 सीट पर चुनाव लड़ा और केवल 19 सीट जीत सके। उन्होंने 2015 के चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय कांग्रेस ने 40 सीट पर चुनाव लड़ा था, तो उसने 27 सीट पर जीत हासिल की थीं, जो कि एक शानदार प्रदर्शन था। लेकिन 2020 में 70 सीट पर चुनाव लड़कर बहुत ज्यादा बोझ उठा बैठे। इसलिए उन्हें इस बार संतुलित रुख अपनाना चाहिए। भट्टाचार्य ने कहा, 'अगर कांग्रेस पिछली बार से कम सीट पर चुनाव लड़े, लेकिन बेहतर प्रदर्शन करे, तो यह उनके लिए और पूरे इंडिया ब्लॉक के लिए बेहतर होगा।' 2020 में महागठबंधन में राजद, कांग्रेस और वाम दल शामिल थे। उन्होंने कड़ी टक्कर दी थी, लेकिन बहुमत से चूक गए थे। कई राजनीतिक विश्लेष्कों ने इसका कारण कांग्रेस का खराब प्रदर्शन बताया था। राजद ने 144 सीट में 75 सीट हासिल की थीं, जबकि कांग्रेस केवल 19 सीट पर सिमट गई थी। वहीं, भाकपा (माले) लिबरेशन ने 19 में 12 सीट पर जीत हासिल कर सबको चौंका दिया था और भाकपा व माकपा को दो-दो सीट मिली थीं। भट्टाचार्य ने कहा कि राजद और कांग्रेस को सीटों में लचीलापन दिखाना होगा, क्योंकि गठबंधन में नए साथी भी शामिल हो रहे हैं।

ब्लैक ड्रेस में दिशा पाटनी ने शेयर कीं खूबसूरत तस्वीरें, यूजर्स ने जमकर की तारीफ

दिशा पाटनी अपने बेहतरीन लुक की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में न्यूयार्क फैशन वीक 2025 के दौरान दिशा ने केल्विन क्लेन शो में सबका ध्यान खींचा। अभिनेत्री ने अब इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर उनके फैंस तारीफ कर रहे हैं।

दिशा एक पारदर्शी काले रंग की ड्रेस में नजर आईं, जो उनके ऊपर काफी अच्छी लग रही थी। उन्होंने स्लीक हाई-वेस्ट ट्राउजर्स और कम से कम एक्सेसरीज पहनी। इस लुक में वह काफी बोल्ड लग रही हैं। अपने लंबे बालों और अपने चेहरे के भावों को निखारते हुए साफ्ट मेकअप में दिशा हर फ्रेम में आत्मविश्वास से भरी दिखीं।

दिशा के फैंस ने उनकी तस्वीरों को लाइक किया है और खूब तारीफ की हैं। एक फैन ने उन्हें बहुत खूबसूरत बताया। एक दूसरे ने लिखा बहुत हाट। एक यूजर ने कहा आप काले कपड़ों में बहुत अच्छी लगती हो। एक और यूजर ने दिशा की फिट बाडी की तारीफ की है।

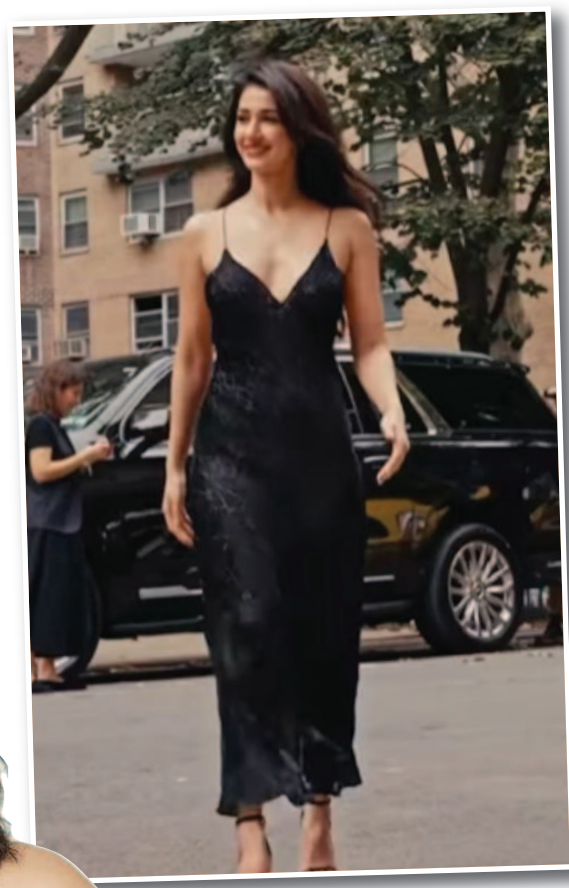

जहां दिशा की तस्वीरें हर जगह लोगों का दिल जीत रही हैं, वहीं उनके परिवार को एक बेहद बेचैन करने वाली घटना का सामना करना पड़ा। 12 सितंबर को, अज्ञात हमलावरों ने बरेली के सिविल लाइंस स्थित उनके पिता जगदीश पाटनी के घर के बाहर गोलीबारी की।

जगदीश पटानी ने एएनआई को बताया दो अज्ञात हमलावरों ने मेरे घर पर गोलीबारी की। बरेली पुलिस, एसएसपी और एडीजी सभी इस मामले में काम कर रहे हैं। गोलियां स्थानीय नहीं हैं। मुझे लगता है कि 8-10 राउंड गोलियां चलाई गईं। मुझे सोशल मीडिया के जरिए पता चला कि गोल्डी बरार ने जिम्मेदारी ली है, लेकिन अभी तक ये पता नहीं है कि गोली किसने चलाई है।

होमबाउंड का ट्रेलर जारी, ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर की तिकड़ी ने किया कमाल

नीरज घायवान के निर्देशन में बनी फिल्म होमबाउंड का प्रीमियर अब तक कान्स फिल्म फेस्टिवल और टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में हो चुका है, जहां इसने खूब वाहवाही लूटी। कान्स में इस फिल्म को 9 मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन और टोरंटो में पीपुल्स चाइस पुरस्कार मिला। ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर की अदाकारी वाली यह फिल्म अब सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। अब आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म होमबाउंड का ट्रेलर जारी कर दिया है।

होमबाउंड का ट्रेलर लोगों को खूब पसंद आ रहा है। ईशान, विशाल और जाह्नवी की तिकड़ी ने लोगों को दिल जीत लिया है। इस फिल्म में विशाल ने चंदन कुमार और ईशान ने मोहम्मद शोएब अली की भूमिका निभाई है, वहीं जाह्नवी फिल्म में सुधा भारती का किरदार निभा रही हैं। करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा द्वारा निर्मित और मार्टिन स्कार्सेसी द्वारा कार्यकारी निर्माता के रूप में अभिनीत, यह फिल्म 26 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। जान्हवी कपूर फिल्म में सुधा भारती की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो एक महत्वाकांक्षी महिला है जो अपनी शिक्षा पूरी करने और सामाजिक अपेक्षाओं को चुनौती देने का सपना देखती है।

फिल्म की कहानी 2020 के न्यूयार्क टाइम्स के एक लेख पर आधारित है जो ग्रामीण उत्तर भारत में नस्ल, महत्वाकांक्षा और चुनौतीपूर्ण

पदानुक्रमिक संरचनाओं के विषयों की पड़ताल करता है। अपनी शक्तिशाली कथा और दमदार अभिनय के साथ, होमबाउंड एक विचारोत्तेजक और भावनात्मक रूप से आवेशित सिनेमाई अनुभव होने का वादा करती है। ट्रेलर ने काफी चर्चा बटोरी है, और कई लोगों ने फिल्म की साहसिक कहानी और इसके मुख्य अभिनेताओं के अभिनय की प्रशंसा की है।

अब साउथ सिनेमा में बजेगा पीएम मोदी का डंका! बर्थडे पर बायोपिक मां वंदे का ऐलान, उी मुकुंदन निभाएंगे मुख्य भूमिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 साल के हो गए हैं। इस खास मौके पर उनकी बायोपिक फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम मां वंदे है। इस फिल्म में मलयालम सिनेमा के जाने-माने अभिनेता उी मुकुंदन मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। मुकुंदन फिल्म में प्रधानमंत्री का किरदार अदा करने के लिए काफी उत्साहित हैं। मां वंदे के निर्देशन की कमान क्रांति कुमार सीएच ने संभाली है, वहीं वीर रेड्डी एम इस फिल्म का निर्माण करने वाले हैं।

मां वंदे का पहला पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें वह एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करते दिख रहे हैं। मुकुंदन प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका में खूब जंच रहे हैं। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और काड़ भाषा में देख पाएंगे। खास बात यह है कि इस फिल्म को अंग्रेजी भाषा में भी बनाया जाएगा। इस फिल्म में मोदी के व्यक्तिगत और राजनीतिक सफर की घटनाओं और उपलब्धियों को दिखाया जाएगा।

इस फिल्म का निर्माण वीर रेड्डी एम। करेंगे। मां वंदे में मोदी के बचपन से लेकर राष्ट्र के नेता के रूप में उनके उदय तक के असाधारण सफर को दर्शाया जाएगा। इतना ही नहीं, इस बायोपिक में उनकी मां हीराबेन मोदी के साथ उनके गहरे जुड़ाव को भी उजागर किया जाएगा, जो जीवन भर उनके लिए अटूट प्रेरणा का स्रोत रहीं।

उन्होंने पीएम मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कैप्शन में लिखा है, एक ऐसे व्यक्ति की कहानी जो युद्धों से आगे बढ़कर युगों-युगों के लिए एक क्रांति बन जाती है, नाम है मां वंदे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर करे कि गौरव पुनः स्थापित हो और उज्जवल भविष्य की प्रतीक्षा हो।

उी मुकुंदन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्ट साझा करते हुए एक लंबा नोट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मैं क्रांति कुमार की निर्देशित और मावंडे मूवी द्वारा निर्मित आगामी फिल्म मां वंदे में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी का किरदार निभाऊंगा।

अहमदाबाद में पले-बढ़े होने के कारण, मैंने उन्हें बचपन में पहली बार अपने मुख्यमंत्री के रूप में जाना था। सालों बाद, अप्रैल 2023 में, मुझे उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, एक ऐसा क्षण जिसने मुझ पर अमिट छाप छोड़ी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय
सम्पर्क: 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com